सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

राजधानी चौपाल

समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...

94169-26329
93068-13001

अंक : 26 वर्ष : 01 साप्ताहिक (08 से 14 जुलाई 2026) पृष्ठ 8 मूल्य : 5/- रुपये E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

इंडोनेशिया दौरे पर पीएम मोदी का बड़ा कूटनीतिक दांव, रक्षा से डिजिटल भुगतान तक कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर

जकार्ता (राजधानी चौपाल)|
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इंडोनेशिया दौरे ने भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी को नई मजबूती दी है। जकार्ता में प्रधानमंत्री मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई उच्चस्तरीय वार्ता के बाद दोनों देशों ने रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, कृषि, महत्वपूर्ण खनिज (क्रिटिकल मिनरल्स), डिजिटल भुगतान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), अंतरिक्ष, शिक्षा और औद्योगिक सहयोग सहित कई अहम क्षेत्रों में समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प भी दोहराया।

दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में हुई। भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति और 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल कार्यक्रम में सहयोग पर महत्वपूर्ण समझौते हुए। इसके साथ ही दोनों देशों ने हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, तटरक्षक बलों के सहयोग तथा सामरिक समन्वय को मजबूत करने पर भी सहमति जताई। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारत के रक्षा निर्यात और क्षेत्रीय रणनीतिक प्रभाव को नई मजबूती देगा।

दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने, कृषि सहयोग बढ़ाने, स्टील उद्योग में संयुक्त निवेश और नई औद्योगिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए भी कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAIL) और इंडोनेशिया की क्राकाटाऊ स्टील के बीच संयुक्त परियोजना की घोषणा भी की गई। इसके अलावा डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) और इंडोनेशिया की डिजिटल भुगतान प्रणाली के बीच सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी, जिससे दोनों देशों के व्यापार और पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडोनेशिया की संसद को संबोधित करते हुए कहा कि "भारत विस्तारवाद नहीं, विकासवाद के मार्ग पर चलता है।" उन्होंने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और इंडोनेशिया लोकतांत्रिक मूल्यों, आपसी विश्वास और साझा समृद्धि के साझेदार हैं। उन्होंने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता, संवाद और नियम-आधारित व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

बैठक के दौरान शिक्षा और प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। भारत ने इंडोनेशिया में आईआईएम बेंगलुरु का पहला विदेशी परिसर स्थापित करने की घोषणा की, जो पूरे आसियान क्षेत्र

के छात्रों और उद्यमियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली प्रबंधन शिक्षा उपलब्ध कराएगा। साथ ही अंतरिक्ष, दूरसंचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और इंडोनेशिया का संबंध केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साझा इतिहास, संस्कृति और विश्वास पर आधारित है। दोनों देशों ने वर्ष 2027 को "टैगोर-देवंतारा सांस्कृतिक एवं शैक्षिक कूटनीति वर्ष" के रूप में मनाने तथा योग्याकार्ता स्थित विश्व धरोहर प्रांबानन मंदिर परिसर के संरक्षण में भारत के सहयोग की भी घोषणा की। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत की विदेश नीति के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इससे दक्षिण-पूर्व एशिया में भारत की रणनीतिक स्थिति और मजबूत होगी तथा रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों के संबंध नई ऊंचाइयों तक पहुंचेंगे। इंडोनेशिया दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी अपने तीन देशों के दौरे के अगले चरण में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा पर जाएंगे।

समुद्र किनारे न जाएं मुंबईवासी, नासिक में क्लाउडबर्स्ट तो अहिल्यानगर में भारी बारिश की चेतावनी; पुणे में रेड अलर्ट

मुंबई (राजधानी चौपाल)|
महाराष्ट्र में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। मौसम विभाग (IMD) ने मुंबई और ठाणे के लिए ऑरेंज अलर्ट, जबकि रायगढ़, पालघर, नासिक और पुणे समेत कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों में अत्यधिक भारी बारिश, तेज हवाओं और कुछ स्थानों पर क्लाउडबर्स्ट जैसी स्थिति बनने की चेतावनी दी है। लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने और प्रशासन की एडवाइजरी का पालन करने की अपील की गई है। मुंबई में कुछ घंटों तक बारिश थमने के बावजूद आसमान में घने बादल छाए हुए हैं और दिनभर फिर से तेज बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार शहर के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि समुद्री और तटीय इलाकों में लगातार वर्षा जारी है। तेज हवाओं और ऊंची लहरों को देखते हुए लोगों को समुद्र तटों, नदियों, झरनों और पिकनिक स्थलों से दूर रहने की सलाह दी गई है। भारी बारिश और जलभराव का असर रेल सेवाओं पर भी पड़ा है। पश्चिम रेलवे ने पनवेल-वसई रोड, दहानू रोड-पनवेल, दहानू रोड-बोरीवली और बोरीवली-वलसाड मार्ग की कुछ लोकल ट्रेनें रद्द कर दी हैं। हालांकि वसई रोड-विरार सेक्शन पर लोकल सेवाएं दोबारा शुरू कर दी गई हैं। वहीं सेंट्रल रेलवे ने बताया कि मेन लाइन, हार्बर, ट्रांस हार्बर और पोर्ट लाइन पर उपनगरीय रेल सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं। पुणे-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भूस्खलन के कारण यातायात प्रभावित हुआ। मलबा हटाने के बाद दो लेनों पर आवाजाही बहाल कर दी गई है, जबकि अन्य दो लेनों पर जलभराव के कारण यातायात अभी भी बंद है। प्रशासन ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने और ट्रैफिक पुलिस के निर्देशों का पालन

करने की अपील की है। वसई, नायगांव, नालासोपारा और विरार के कई निचले इलाकों में अब भी जलभराव बना हुआ है। रेड अलर्ट को देखते हुए इन क्षेत्रों में स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। नासिक और त्र्यंबकेश्वर में आधी रात से लगातार तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने यहां 300 मिमी तक वर्षा और क्लाउडबर्स्ट जैसी स्थिति की आशंका जताई है। एहतियात के तौर पर त्र्यंबकेश्वर के मेटघर किला क्षेत्र से करीब 100 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। लगातार बारिश के कारण त्र्यंबकेश्वर मंदिर में दर्शन अस्थायी रूप से बंद कर दिए गए हैं और कुछ बांधों से नियंत्रित तरीके से पानी छोड़ा जा रहा है। पुणे जिले में भी रेड अलर्ट जारी करते हुए स्कूल और कॉलेज बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में हाल के दिनों में भारी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि मावल क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित रहा। खराब मौसम के कारण पुणे एयरपोर्ट पर कई उड़ानें प्रभावित हुईं। दो इंडिगो विमानों का रूट बदला गया, जबकि अकासा एयर की एक उड़ान रद्द करनी पड़ी। खड़कवासला बांध का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और आवश्यकता पड़ने पर नियंत्रित तरीके से पानी छोड़ा जा सकता है। इगतपुरी में अगले 48 घंटों के लिए सभी पर्यटन स्थल, झरने, बांध और किलों को प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर पर्यटकों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार ने सभी जिलों के प्रशासन को सतर्क रहने, राहत एवं बचाव दलों को तैयार रखने और संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार नजर बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं लगातार बारिश से कुछ कृषि क्षेत्रों में खरीफ फसलों को राहत मिली है, लेकिन निचले इलाकों में जलभराव और फसल नुकसान की आशंका भी बनी हुई है। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने नागरिकों से सतर्क रहने और केवल आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

लश्कर सरगना हाफिज सईद ने रची थी साजिश, NIA ने चार्जशीट में बनाया आरोपी

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|
राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) ने सोमवार को पाकिस्तानी आतंकवादी और लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के संस्थापक हाफिज सईद के खिलाफ पहलगाम आतंकी हमले के सिलसिले में एक पूरक आरोप पत्र (supplementary chargesheet) दाखिल किया. एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, जम्मू में NIA की विशेष अदालत में दाखिल की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में हाफिज सईद का नाम उसकी व्यक्तिगत हैसियत के साथ-साथ प्रतबंधित LeT और उसके मुखौटा संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) के चीफ के तौर पर भी शामिल है. आतंकी सरगना हाफिज सईद पर भारतीय न्याय संहिता (BNS), 2023, और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की अलग-अलग धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं. आधिकारिक बयान में आगे कहा गया है कि NIA ने भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पार से कथित तौर पर रची गई आपराधिक साजिश से जुड़े आरोप भी लगाए हैं. 1,597 पेज की मूल चार्जशीट को आगे बढ़ाते हुए दाखिल की गई सप्लीमेंट्री चार्जशीट में पाकिस्तान की कथित साजिश, हाफिज सईद की भूमिका, और एनआईए द्वारा वैज्ञानिक जांच और बड़े पैमाने पर जमीनी स्तर पर सत्यापन से इकट्ठा किए गए सबूतों की जानकारी दी गई है. 15 दिसंबर, 2025 को दाखिल की गई अपनी पिछली चार्जशीट में, NIA ने पाकिस्तानी आतंकी हैंडलर साजिद जट्ट, जुलाई 2025 में ऑपरेशन महादेव के दौरान मारे गए तीन आतंकियों और दो गिरफ्तार आरोपियों का नाम लिया था. एनआईए ने प्रतिबंधित LeT/TRF को भी हमले की साजिश रचने, उसे आसान बनाने और उसे अंजाम देने में कथित भूमिका के लिए एक कानूनी इकाई के तौर पर चार्जशीट किया था. 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया था और धर्म के आधार पर लक्षित हत्याएं की थीं. इस हमले में 25 पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक मारे गए थे. यह मामला शुरू में अनंतनाग जिले के पहलगाम पुलिस स्टेशन में FIR नंबर 25/2025 के तौर पर दर्ज किया गया था. जम्मू और कश्मीर पुलिस की शुरुआती जांच के बाद, गृह मंत्रालय ने जांच NIA को सौंप दी थी. एनआईए ने कहा कि केस RC-02/2025/NIA/JMU में जांच जारी है ताकि बड़ी साजिश और भारतीय जमीन पर आतंकवाद को प्रायोजित करने में पाकिस्तान की कथित भूमिका का पता लगाया जा सके.

हिसार में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, हिरासत में १८ महिलाएं, पुलिस ने दो होटल पर की छापेमारी

हिसार (राजधानी चौपाल)|
हरियाणा के हिसार में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कथित सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। डीएसपी वुमेन सेफ्टी प्रिया शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने होटल बलिश और ए टू ज़ेड होटल में योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कई युवक-युवतियां आपत्तिजनक परिस्थितियों में मिले, जिसके बाद सभी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जांच में होटल संचालकों की संलिप्तता सामने आने पर उनके खिलाफ भी संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में पता चला कि इन होटलों में देह व्यापार के लिए महिलाओं को उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड समेत अन्य राज्यों से लाया जाता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 18 महिलाओं को रेस्क्यू किया। मौके से होटल ए टू ज़ेड के मालिक और होटल बलिश के मैनेजर को भी हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और उनकी भूमिका की जांच कर रही है। हिसार के पुलिस अधीक्षक ने कहा कि होटल, गेस्ट हाउस और लॉज संचालकों की यह कानूनी जिम्मेदारी है कि वे अपने यहां ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति का वैध पहचान पत्र लें और पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित रखें। यदि किसी भी प्रतिष्ठान में देह व्यापार या अन्य अनैतिक गतिविधियां संचालित होती पाई गईं, तो संचालक यह कहकर

जिम्मेदारी से बच नहीं सकेंगे कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। ऐसे मामलों में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने जिले के सभी होटल, गेस्ट हाउस, रिसॉर्ट और लॉज संचालकों को चेतावनी दी है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मानव तस्करी और देह व्यापार जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए जिलेभर में छापेमारी अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समुद्र किनारे न जाएं मुंबईवासी, नासिक में क्लाउडबर्स्ट तो अहिल्यानगर में भारी बारिश की चेतावनी; पुणे में रेड अलर्ट

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|
राज्याच्या राजकारणात मोठ्या घडामोडी घडताना दिसत आहेत. शिवसेना ठाकरे गटाच्या तब्बल 6 खासदारांनी मोठी बंडखोरी केली. त्यानंतर एका आमदाराची थेट विधान परिषदेच्या उपसभापतीपदी निवड झाली. शिवसेना ठाकरे गटात मोठी बंडखोरी होत आहे. यासोबतच अजूनही काही आमदार उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यांच्या संपर्कात असल्याची चर्चा आहे. शिवसेना ठाकरे गटाचे नेते उद्धव ठाकरे यांनी याच पार्श्वभूमीवर आज मंगळवारी रात्री 7 वाजता राज्यातील सर्व आमदारांची बैठक बोलवली आहे. सचिन आहिर यांच्या बंडखोरीनंतर उद्धव ठाकरे यांना मोठा झटका बसला. ऑपरेशन टायगर सुरू आहे. शिवसेनेचे काही आमदार शिवसेना शिंदे गटात प्रवेश करू शकतात. यासोबतच

दिल्लीमध्ये मोठ्या घडामोडी सुरू आहेत. लवकरच पंतप्रधान नरेंद्र मोदी आपल्या कॅबिनेट मंत्रिमंडळाचा विस्तार करणार आहेत. ज्यात राज्यातील अनेक नेत्यांना थेट संधी मिळणार असून केंद्रात मंत्रिपद मिळवण्याची संधी आहे. शिवसेना ठाकरे गटातून बंडखोरी करून शिवसेना शिंदे गटात प्रवेश केलेल्या 6 खासदारांपैकी दोघांच्या गळ्यात मंत्रिपदाची माळ पडणार असल्याचे स्पष्ट आहे. यासोबतच खासदार श्रीकांत शिंदे यांनाही मंत्रिपद मिळणार असल्याची माहिती सूत्रांकडून मिळत आहेत. काही दिवसांपूर्वीच थेट एकनाथ शिंदे हे दिल्ली दौऱ्यावर होते. आता मोठी माहिती पुढे येत आहे. याच सर्व पार्श्वभूमीवर आता राज्याचे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हे देखील दिल्ली दौऱ्यावर जाणार आहेत. आज देवेंद्र फडणवीस दिल्ली दौऱ्यावर आहेत. एका कार्यक्रमात ते सहभागी होती. मात्र, मंत्रिमंडळ विस्ताराच्या पार्श्वभूमीवर देवेंद्र फडणवीस यांच्या या दिल्ली दौऱ्याला महत्वप्राप्त झाले. सातत्याने उद्धव ठाकरे यांच्याकडून सांगितले जात आहे की, दिल्लीतून देवेंद्र फडणवीस यांचे पंख कट करण्यासाठी एकनाथ शिंदे यांना पावर दिली जात आहे. यावर देवेंद्र फडणवीसांनी उत्तर देखील दिले. मागील काही दिवसांपासून एका मागून एक मोठे धक्के एकनाथ शिंदे हे उद्धव ठाकरे यांना देत आहेत. मोठी बंडखोरी त्यांच्या पक्षात झाली. 6 खासदारांच्या मतदार संघात सभा घेऊन उद्धव ठाकरे मुंबईत पोहोचल्यानंतर थेट सचिन आहिर यांना विधान परिषदेचे उपसभापतीपद एकनाथ शिंदे यांनी देऊन थेट धक्का दिला.

पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी: सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार किया

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा पैगंबर मुहम्मद पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में दायर याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागू की पीठ ने याचिकाकर्ता को पहले पुलिस और संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने तथा व्यवस्था पर भरोसा रखने की सलाह दी। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि विवादित टिप्पणियों से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है। पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि सामान्य कानूनी प्रक्रिया के बावजूद उचित कार्रवाई नहीं होती, तब अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है।

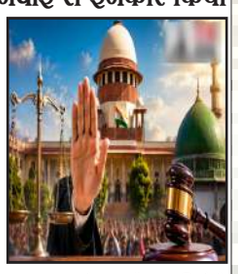

अदालत ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों को अनावश्यक रूप से सनसनीखेज न नहीं बनाया जाना चाहिए। याचिका में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर धार्मिक हस्तियों के खिलाफ अपमानजनक सामग्री के प्रकाशन और प्रसार को रोकने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश बनाने तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली ऑनलाइन गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

'कब तक बूढ़े लोग...', अन्ना हजारे को लेकर ये क्या बोले गए कॉकरोच पार्टी के अभिजीत दीपके

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)|
शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर आंदोलन चला रहे कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के फाउंडर अभिजीत दीपके ने अन्ना हजारे पर विवादित टिप्पणी की. दीपके ने एक सवाल के जवाब में हजारे को बूढ़े लोग बताते हुए आश्रम में बैठने की नसीहत दी. उन्होंने कहा कि 60-70 से अधिक उम्र के लोगों को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए, चाहे वे नेता हों या सामाजिक कार्यकर्ता. दिल्ली के जंतर-मंतर पर पिछले 18 दिनों से प्रदर्शन कर रहे सीजेपी के दीपके अपने गृह जिला छत्रपति संभाजीनगर में पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन में शामिल हुए. पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब दीपके से सवाल किया गया कि क्या वह अन्ना हजारे से मुलाकात करेंगे, तो उन्होंने कहा कि बिल्कुल नहीं. मुझे लगता है कि युवाओं को अब चीजें अपने हाथ में लेनी चाहिए. उन्होंने कहा कि जो लोग 60-70 के हो गए हैं वो रिटायर हो जाएं. चाहें राजनीति हो या एक्टिविज्म. उनको रिटायर हो जाना चाहिए और वो आश्रम में जाकर बैठ जाएं. यह हमारे भविष्य का सवाल है, छात्रों के भविष्य का सवाल है. हमें फैसला करने दो. उन्होंने आगे कहा कि कब तक बूढ़े लोग फैसला करते रहेंगे. अभिजीत दीपके की हो रही आलोचनादीपके के इस बयान की लोग जमकर आलोचना कर रहे हैं. कई लोगों ने सवाल उठाया कि अगर वो बूढ़े लोगों की मदद नहीं चाहते तो सोनम वांगचुक से अनशन क्यों करा रहे हैं, जिनकी उम्र 59-60 साल के करीब है. सोशल मीडिया पर लोगों ने कहा कि अभिजीत दीपके कह रहे हैं कि अन्ना हजारे जैसे बूढ़ों से हमें कोई इंस्पिरेशन नहीं लेनी चाहिए, तो फिर खुद भूख हड़ताल क्यों नहीं कर रहे हैं. 59-60 साल के सोनम वांगचुक को क्यों आगे धकेल रहे हैं? कॉकरोच जनता पार्टी का जंतर-मंतर पर चल रहा प्रदर्शन मंगलवार (7 जुलाई) को 18वें दिन में प्रवेश कर गया है. सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का आज 10वां दिन है. अनशन शुरू करने के बाद से उनका कुल वजन 6.9 किलो कम हो गया है. 'चीनी सेना 60 किमी भारत में घुस आई'? क्या है सच्चाई जानिए, सरकार का आ गया जवाब संतोष सिंह एबीपी लाइव में कार्यरत हैं. वो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख़बरों की कवरेज की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. पत्रकारिता के क्षेत्र में लगभग

1 दशक से सक्रिय हैं. संतोष ने अपने करियर की शुरुआत न्यूज़ चैनल में टिकर (ब्रेकिंग) से की थी. संतोष इससे पहले अलग-अलग मीडिया संस्थानों में विभिन्न पदों पर काम कर चुके हैं, जहां उन्होंने ब्रेकिंग न्यूज़, कंटेंट राइटिंग में अनुभव हासिल किया. संतोष ने JIMMC नोएडा से मास कम्युनिकेशन में PG डिप्लोमा किया है.

> 60-70 से अधिक उम्र के लोगों को रिटायरमेंट ले लेना चाहिए, चाहे वे नेता हों या सामाजिक कार्यकर्ता. मुझे लगता है कि युवाओं को अब चीजें अपने हाथ में लेनी चाहिए. यह हमारे भविष्य का सवाल है, छात्रों के भविष्य का सवाल है. हमें फैसला करने दो. कब तक बूढ़े लोग फैसला करते रहेंगे.

अभिजीत दीपके
फाउंडर, CJP

रोडवेज सांझा संघर्ष समिति के 15 सूत्रीय मांग पत्र पर कार्रवाई शुरू : समिति

हिसार (राजधानी चौपाल):
हरियाणा रोडवेज हिसार डिपो सांझा संघर्ष समिति ने दावा किया है कि हिसार डिपो एवं हांसी सब डिपो के कर्मचारियों की एकता व सहयोग के चलते 58 दिनों तक चले शांतिपूर्ण आंदोलन के बाद कर्मचारियों को बड़ी सफलता मिली है। प्रशासनिक अधिकारियों की सकारात्मक मध्यस्थता से लगभग 37 महीनों से लंबित 15 सूत्रीय मांग-पत्र पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। समिति ने उम्मीद जताई है कि 25 जुलाई तक सभी मांगों का समाधान कर कर्मचारियों को उनका न्यायोचित अधिकार दिलाया जाएगा।
समिति पदाधिकारियों ने एसडीएम ज्योति मित्तल, बीडीपीओ तथा ट्रैफिक मैनेजर प्रीतम सिवाच की पहल से कर्मचारी हितों से जुड़े लंबित मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया शुरू हुई है। मांग-पत्र में 37 महीनों से लंबित रात्रि भत्ता, मेडिकल बिल, शिक्षा भत्ता, वर्ष 2016 के एसपीएल चालकों के लंबित एलटीसी देय, सभी कर्मचारियों की एलटीसी सहित अन्य कर्मचारी हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। समिति के अनुसार कार्रवाई प्रारंभ होने से हिसार डिपो और हांसी सब डिपो के कर्मचारियों में उत्साह और विश्वास का माहौल है। उच्चाधिकारियों ने 25 जुलाई तक सभी मांगों के समाधान का आश्वासन दिया है, जिससे कर्मचारियों को लंबे समय से लंबित उनके वैधानिक अधिकार मिलने की उम्मीद जगी है।
सांझा संघर्ष समिति ने आंदोलन को सफल बनाने में सहयोग करने पर सभी कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 58 दिनों तक कर्मचारियों ने अनुशासन, संयम और एकजुटता का परिचय देते हुए शांतिपूर्ण ढंग से संघर्ष किया। इसी एकता और संगठन की बदौलत आंदोलन निर्णायक मोड़ तक पहुंचा। समिति ने कहा कि कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए भविष्य में भी सभी साथी इसी तरह संगठित रहेंगे। साथ ही समिति ने प्रशासन से उम्मीद जताई कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी मांगों का समाधान कर कर्मचारियों के विश्वास को और मजबूत किया जाएगा।

हास्य कवि जयभगवान लाडवाल हुए सम्मानित

हिसार (राजधानी चौपाल)
करनाल में 'सांझा मंच' की तरफ से साहित्यकारों को सम्मानित किया गया जिसमें 5 राज्यों के 37 साहित्यकारों को सम्मानित किया गया जिनमें पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हिमाचल से साहित्यकार पहुंचे। इसमें जयभगवान लाडवाल को साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर ईसर सिंह तांघ साहित्य सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें हिन्दी साहित्य अकादमी के उपसचिव ऋषि कुमार शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ज्ञात रहे कि जयभगवान लाडवाल भारतीय खाद्य विभाग से प्रबंधक के पद से सेवानिवृत हैं और वे वहां कर्मचारी नेता भी थे। वे कवि और गायक होने के साथ-साथ कलाकार भी हैं इनके 24 नाटक यू-ट्यूब पर आ चुके हैं। उनका नाटक 'कानून सबके लिए बराबर है' काफी चर्चित हो रहा है। लाडवाल 2019 में मेयर प्रत्याशी भी रह चुके हैं।

बुजुर्गों के लिए नि:शुल्क गंगा स्नान बस यात्रा हरिद्वार रवाना

हिसार (राजधानी चौपाल)
भगवान परशुराम जन सेवा समिति द्वारा ऋषि नगर स्थित समिति कार्यालय से प्रात: वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान में नि:शुल्क गंगा स्नान बस यात्रा को हरिद्वार के लिये रवाना किया गया। समिति के मुख्य संरक्षक एच.के.शर्मा की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में पूर्व सांसद जनरल डी.पी. वत्स ने झंडी दिखाकर रवाना किया व गंगा स्नान के लिए जा रहे बुजुर्गों से आशीर्वाद लेते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। विशिष्ट अतिथि के रुप में नगर निगम के मेयर प्रवीन पोपली उपस्थित हुए। सभी अतिथियों का समिति के संस्थापक योगेन्द्र शर्मा व अन्य सदस्यों की ओर से स्वागत किया गया। बस रवाना करने से पूर्व पूजा अर्चना करवाई गई। इस अवसर पर पार्षद भीम महाजन, पूर्व पार्षद पंकज दीवान, सुशील शर्मा, सिद्धार्थ गौड़, विकास गौड़, राजेश भारद्वाज, बलवान शर्मा एडवोकेट, नरेन्द्र शर्मा पटवारी, पं. राममेहर शास्त्री सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।
फोटो कैप्शन : बुजुर्गों के लिए नि:शुल्क गंगा स्नान बस यात्रा को रवाना करते पूर्व सांसद जनरल डी.पी. वत्स।

पेपर लीक व लचर शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं ने बुलंद की आवाज : विधायक चंद्रप्रकाश

छात्रों की गूंज संविधान संवाद कार्यक्रम में उमड़े युवा, हक की आवाज की बुलंद

हिसार (राजधानी चौपाल)
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और न्याययोद्धा राहुल गांधी द्वारा छात्रों के हक के लिए शुरू किए गए छात्रों की गूंज अभियान के क्रम में आयोजित संविधान संवाद कार्यक्रम में छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रोहतक की नेहरू कॉलोनी में स्थित अंबेडकर हॉल में आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद और प्रदेश कांग्रेस ओबीसी विभाग के चेयरमैन व आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश ने शिरकत करके युवाओं का हौसला बढ़ाया।

इस अवसर पर एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र बघेल, राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध, वरिष्ठ विधायक शकुंतला खटक, हरियाणा यूथ कांग्रेस के प्रधान निशित कटारिया, रोहतक ग्रामीण जिला अध्यक्ष बलवान सिंह रंगा, रोहतक शहरी जिला अध्यक्ष कुलदीप केडी, झज्जर जिला अध्यक्ष संजय यादव, भिवानी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया, रेवाड़ी जिला अध्यक्ष सुभाष चावडिया व महेंद्रगढ़ जिला अध्यक्ष सत्यवीर यादव सहित काफी संख्या में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, शिक्षक, छात्र व कार्यकर्ता मौजूद रहे।
छात्रों को संबोधित करते हुए अनिल जयहिंद ने संविधान, सामाजिक न्याय, शिक्षा और युवाओं की भूमिका पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि युवाओं के हक की लड़ाई में छात्रों की गूंज अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अभियान के माध्यम से छात्रों को शिक्षा, संविधान की रक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों की गूंज के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना प्राथमिक लक्ष्य है। इसलिए उन्हें संगठन से भी जोड़ा जा रहा है और देशभर में छात्र प्रतिनिधियों को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। इसके साथ ही युवाओं को देश के संविधान के मूल सिद्धांतों से अवगत करवाते हुए आरक्षण और सामाजिक न्याय के प्रति सचेत किया जा रहा है।
इस अवसर पर विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी द्वारा छात्रों की समस्याओं को समझते हुए उनके हक के लिए शुरू किए गए छात्रों की गूंज अभियान की सार्थकता, संविधान संवाद कार्यक्रम में प्रत्यक्ष रूप से दिखाई दी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में युवाओं का उत्साह व जोश देखने लायक रहा। उन्होंने कहा कि विभिन्न परीक्षाओं के बार-बार पेपर लीक होने से युवाओं के भविष्य पर प्रश्नचिन्ह लग गया है लेकिन इस दिशा में मौजूदा सरकार का रवैया उदासीन है। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था लचर हो चुकी है और बेरोजगारी चरम पर है। सरकार रोजगार के साधन मुहैया करवाने की अपेक्षा केवल बयानबाजी तक सीमित है। उन्होंने कहा कि युवाओं को संविधान को समझकर संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के प्रति भी गंभीर होना होगा।

कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

हसिार / मंडी आदमपुर : कांग्रेस ओबीसी वभिाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनलि जयहदि के साथ प्रदेश कांग्रेस ओबीसी वभिाग के चेयरमैन चंद्रप्रकाश ने रोहतक के कैनाल रेस्ट हाउस में ओबीसी कांग्रेस के साथियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। इस दौरान एआईसीसी के राष्ट्रीय सचवि जतिेंद्र बघेल, राज्यसभा सांसद कर्मवीर बौद्ध एवं कई वरषिठ कांग्रेस नेता उपस्थति रहे। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत कयिा और ओबीसी वभिाग के पदाधकिारयिों को फूल मालाएं पहनाकर और बुके व स्मृत चिन्ह भेंट करके सम्माननित कयिा।

लॉर्ड वी.के. हाई स्कूल में छात्राओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर, बढ़ते अपराधों के बीच स्कूल प्रबंधन का सराहनीय निर्णय

हिसार (राजधानी चौपाल)
समाज में महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध लगातार बढ़ रही अपराध की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए लॉर्ड वी.के. हाई स्कूल में छात्र-छात्राओं के लिए विशेष सेल्फ डिफेंस (आत्मरक्षा) प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। विद्यालय प्रबंधन की इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें किसी भी आपात स्थिति में अपनी सुरक्षा करने के लिए सक्षम बनाना था।

प्रशिक्षण शिविर में चौथी से दसवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान छात्राओं को विभिन्न परिस्थितियों में स्वयं की सुरक्षा करने, मानसिक रूप से सतर्क रहने तथा त्वरित निर्णय लेने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए।
कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक एवं सेल्फ डिफेंस स्पोर्ट्स सोसाइटी के चीफ एवं फाउंडर, इंटरनेशनल सेल्फ डिफेंस कोच रोहतश कुमार ने बच्चों को सरल, प्रभावी एवं व्यावहारिक तकनीकों के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि किसी भी संकट की घड़ी में घबराने के बजाय धैर्य, आत्मविश्वास और सही तकनीक का प्रयोग करके स्वयं को सुरक्षित रखा जा सकता है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न आत्मरक्षा तकनीकों का अभ्यास भी किया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी। विद्यालय के संचालक विजेंद्र सिंह पांचाल ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ बढ़ते अपराध पूरे समाज के लिए चिंता का विषय हैं। ऐसे में केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी प्रत्येक विद्यार्थी के लिए आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि विद्यालय ने निर्णय लिया है कि भविष्य में भी समय-समय पर इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे, ताकि प्रत्येक छात्रा आत्मविश्वास के साथ अपनी सुरक्षा स्वयं कर सके। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपने बच्चों, विशेषकर बेटियों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए प्रोत्साहित करें। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने प्रशिक्षक रोहतश कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विद्यार्थियों में साहस, आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों ने भी इस प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी बताते हुए भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की।

ब्राह्मण समाज को संगठित, शिक्षित व जागरूक बनाने के लिए चलेगा देशव्यापी जनजागरण अभियान : जगजीत शर्मा

हिसार (राजधानी चौपाल)
राष्ट्रीय ब्रह्म स्वाभिमान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित जगजीत शर्मा ने ब्राह्मण समाज को संगठित, शिक्षित और जागरूक बनाने के लिए देशव्यापी जनजागरण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि परिषद का उद्देश्य समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना, सामाजिक समन्वय को मजबूत करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में ब्राह्मण समाज की प्रभावी भागीदारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इसके लिए वे देश के विभिन्न राज्यों और शहरों का दौरा कर समाज के लोगों से सीधे संवाद करेंगे तथा समाज के सामने मौजूद चुनौतियों और उनके समाधान पर चर्चा करेंगे।
जगजीत शर्मा ने कहा कि आज आवश्यकता केवल सामाजिक एकता की नहीं, बल्कि नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार, आधुनिक तकनीक, प्रतियोगी परीक्षाओं, स्वरोजगार और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की भी है। उन्होंने कहा कि परिषद युवाओं को सामाजिक दायित्वों के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगी। समाज की प्रतिभाओं को उचित मंच उपलब्ध कराने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में भी परिषद योजनाबद्ध तरीके से कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि देशव्यापी संवाद यात्रा के दौरान प्रत्येक राज्य में समाज के प्रबुद्धजनों, शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं, चिकित्सकों, उद्यमियों, महिलाओं और युवाओं से अलग-अलग बैठकें की जाएंगी। इन बैठकों में समाज की वर्तमान स्थिति, शिक्षा, रोजगार, संगठनात्मक मजबूती और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा होगी। इन सुझावों के आधार पर परिषद एक राष्ट्रीय कार्ययोजना तैयार करेगी, जिससे समाज के हितों से जुड़े विषयों पर प्रभावी ढंग से कार्य किया जा सके।
जगजीत शर्मा ने बताया कि इस अभियान के बाद वरिष्ठजनों की सलाह से दिल्ली में ब्राह्मण समाज का एक विराट राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें देशभर से लाखों लोगों को आमंत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। सम्मेलन में समाज के भविष्य की दिशा, संगठनात्मक विस्तार, शिक्षा, युवाओं की भागीदारी, सामाजिक उत्थान और राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय को लेकर महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन समाज के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज ने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है, लेकिन उसकी सरलता और उदारता का कई बार राजनीतिक लाभ उठाया गया। समाज के समर्थन से सत्ता तक पहुंचने वाले अनेक लोगों ने बाद में उसे अपेक्षित सम्मान और प्रतिनिधित्व नहीं दिया। उनका कहना था कि अब समाज पहले की तुलना में अधिक जागरूक है और अपने हितों तथा सम्मान के प्रति सजग होकर आगे बढ़ रहा है। इसलिए अब ब्राह्मण समाज सोच-समझकर अपने सामाजिक और लोकतांत्रिक निर्णय लेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय ब्रह्म स्वाभिमान परिषद किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि पूरे ब्राह्मण समाज के सामाजिक, शैक्षिक और संगठनात्मक उत्थान के लिए कार्य करेगी। परिषद का प्रयास रहेगा कि देश के प्रत्येक राज्य, जिले और तहसील स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाए, ताकि समाज की आवाज़ प्रभावी ढंग से उठाई जा सके। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों और युवाओं से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि जब समाज संगठित होगा, तभी वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत और सम्मानजनक भविष्य का निर्माण कर सकेगा। उन्होंने यह भी कहा कि परिषद समय-समय पर शिक्षा, प्रतिभा सम्मान, सामूहिक संवाद, सामाजिक सेवा, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान, गरीब विद्यार्थियों की सहायता और समाजहित से जुड़े अन्य कार्यक्रमों का आयोजन करेगी, ताकि संगठन केवल विचारों तक सीमित न रहे, बल्कि सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का भी मजबूत उदाहरण बने।

दो पक्षों के बीच चल रहा तनाव और कटुता का माहौल हुआ समाप्त, भाईचारा मजबूत करने का लिया संकल्प

हिसार (राजधानी चौपाल)
सेक्टर-14 स्थित पंजाबी भवन में पंजाबी समाज के प्रबुद्ध नागरिकों की महत्वपूर्ण पंचायत आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता हिसार के मेयर प्रवीण पोपली ने की। बैठक में पूर्व मेयर गौतम सरदाना, गुलजार सिंह काहलो, कर्मचारी नेता दलबीर किरमारा, सुभाष फौजी (बालसमंद), अक्षय मलिक, सुभाष ढींगड़ा, राजेंद्र चुटानी, सीए पवन गिरधर, पार्षद राजेश अरोड़ा, पूर्व पार्षद पंकज दीवान, सुरेंद्र सोनी, नरेश, सतीश पहलवान, गौतम नारंग, सुरेंद्र बजाज, महेश चौधरी, संदीप सिंधू, सचिन सिहाग, सन्नी पाहुजा, विक्रांत धमीजा, लक्की मनचंदा, विक्रांत भटेजा, टीनू आहूजा, डॉ. वैभव बिदानी, सन्नी मेहता, तक्षेंद्र सहगल, अजय, नितिन पपनेजा सहित समाज के अनेक गणमान्य एवं प्रबुद्ध लोगों ने भाग लिया। बैठक की जानकारी देते हुए न्यू राजगुरु बिश्नोई मंदिर मार्केट के प्रधान राजेंद्र चुटानी ने बताया कि यह पंचायत समाज में पिछले कुछ समय से उत्पन्न हुई गलतफहमियों को दूर करने तथा आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व व्यापारी नेता अक्षय मलिक के साथ हुई कहासुनी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों पर सभी पक्षों ने खुलकर चर्चा की और आपसी सहमति से मतभेदों को समाप्त करने का निर्णय लिया।

बैठक में सर्वसम्मति से यह माना गया कि व्यक्तिगत मतभेद, आवेश में कहे गए शब्द अथवा किसी भी प्रकार की कटु टिप्पणी समाज के भाईचारे और सामाजिक सौहार्द से बड़ी नहीं हो सकती। यदि किसी भी व्यक्ति के शब्दों या व्यवहार से किसी अन्य व्यक्ति, समाज या बिरादरी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो उसके लिए सभी संबंधित लोगों ने खेद प्रकट किया। साथ ही यह भी संकल्प लिया गया कि भविष्य में संयमित भाषा का प्रयोग किया जाएगा तथा किसी भी व्यक्ति, जाति या बिरादरी के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों से पूरी तरह परहेज किया जाएगा। पंचायत में यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद होने पर उसका समाधान आपसी संवाद, सामाजिक पंचायत और सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया जाएगा। किसी भी व्यक्तिगत विवाद को सामाजिक या जातीय रंग नहीं दिया जाएगा, ताकि समाज का भाईचारा और सामाजिक ताना-बाना सदैव मजबूत बना रहे। बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने समाज के प्रत्येक वर्ग से अपील की कि हरियाणा की भाईचारे की परंपरा को और अधिक मजबूत बनाया जाए तथा प्रेम, सम्मान, आपसी विश्वास और सामाजिक समरसता की भावना के साथ समाज हित में मिलकर कार्य किया जाए।

एसजीपीसी अमृतसर मैंबर बीबी अमरजीत कौर ने अग्निकांड प्रभावित सरदार सुखसागर सिंह के परिवार से की मुलाकात, हरसंभव सहयोग का दिलाया भरोसा

हिसार (राजधानी चौपाल)
हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एचएसजीपीसी) के पूर्व सदस्य सरदार सुखसागर सिंह के डाबड़ा चौक स्थित आवास पर हाल ही में हुए भीषण अग्निकांड के बाद संवेदनाओं का सिलसिला लगातार जारी है। सिख समाज के साथ-साथ शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों और गणमान्य नागरिकों का उनके घर पहुंचकर परिवार का हौसला बढ़ाने का क्रम जारी है। इसी कड़ी में मैंबर एसजीपीसी श्री अमृतसर बीबी अमरजीत कौर विशेष रूप से पंजाब से हिसार पहुंचीं और पीड़ित परिवार से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में अपना समर्थन व्यक्त किया।
मैंबर एसजीपीसी श्री अमृतसर बीबी अमरजीत कौर ने सरदार सुखसागर सिंह के आवास पर पहुंचकर अग्निकांड से हुए व्यापक नुकसान का निरीक्षण किया तथा परिवार के सदस्यों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में पूरा सिख समाज सरदार सुखसागर सिंह और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि समाज की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि परिवार इस संकट से जल्द उबर सके। उन्होंने कहा गुरु साहिब के चरणों में अरदास करते हुए परिवार को इस कठिन परीक्षा से उबरने की शक्ति, साहस और धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि आर्थिक नुकसान की भरपाई तो हो सकती है, सबसे बड़ी राहत की बात यही है कि इस भीषण हादसे में परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। इस अवसर पर उपस्थित समाज के लोगों ने भी सरदार सुखसागर सिंह के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस दौरान हरपाल सिंह अहरवां, महेंद्र सिंह वधवा, रणजीत सिंह भानीखेड़ा, जसपाल सिंह (हिसार), कर्मजीत सिंह (प्रधान, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा हिसार), सुखविंद्र सिंह, बंत सिंह, अमरीक सिंह, राजकुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक भी सरदार सुखसागर सिंह के आवास पर पहुंचे और परिवार को हिम्मत एवं सांत्वना प्रदान की।

नि:स्वार्थ सेवा से उपचार की शक्ति : संत राजिन्दर सिंह महाराज

हिसार (राजधानी चौपाल)
संत राजिन्दर सिंह ने महाराज ने कहा कि इंसान जो सबसे महान कार्य कर सकता है, उनमें से एक है दूसरों की सेवा करना। सच्ची नि:स्वार्थ सेवा वही है, जिसमें हम बदले में कुछ भी नहीं चाहते। इसी भावना के साथ हमें सेवा करनी चाहिए। इसका मतलब यह है कि हमें अपने नाम, शोहरत, सत्ता और कीर्ति का दूसरों में प्रचार-प्रसार नहीं करना चाहिए। इसके विपरीत हम दिल से, आत्मा से और मदद की भावना से सेवा करते हैं क्योंकि उस पिता-परमेश्वर की संतान होने के नाते हमारे लिए यही कार्य करना उचित है। इसी प्रवृति में उपचार की शक्ति मौजूद है। निष्काम सेवा केवल कार्य को पूरा करना नहीं है। यह एक खुले दिल से प्रेम बांटने के उपचार का कार्य है। यह एक बहुत ही बड़ी सौगात है, जो प्रेम और उपचार को दूसरों में फैलाती है। इसमें देने वाले का हृदय प्रसन्न अथवा स्वस्थ रहता है और वह इंसान प्रेम से भर जाता है। इससे लेने वाले के हृदय का भी उपचार होता है। उनकी आँखें भी मानवता के प्रति प्रेम की भावना से भर जाती हैं।
संत राजिन्दर सिंह महाराज ने कहा कि देते वक्त हम कुछ भी खोते नहीं हैं। जीवन में कई बार हमने यह अनुभव किया होगा कि किसी ज़रूरतमंद को कुछ देने पर या कोई त्याग करने के बाद अक्सर वह चीज़ हमें वापिस मिल जाती है या परिस्थितियाँ ही बदल जाती हैं और हमें देने की ज़रूरत ही नहीं पड़ती। जब हम दूसरों के लिए त्याग करते हैं तो हमें संतोष की प्राप्ति होती है। हम परमात्मा के आशीर्वाद की वर्षा को महसूस करते हुए उनका शुक्राना करते हैं कि हमने स्वार्थी होने की जगह देना पसंद किया। उन्होंने कहा कि अगर हम स्वार्थी होते हैं तो हम पछतावे और दु:ख से भर जाते हैं। हम न देने के लिए हमेशा अफसोस महसूस करते हैं। हालाँकि देने के बाद कभी कोई पछतावा या दु:ख महसूस नहीं करता। देने की खुशी से बढ़कर और कोई खुशी नहीं होती। जिन्होंने नि:स्वार्थ भाव से दिया है उन्होंने महसूस किया होगा कि जब कोई देता है तो कभी कुछ भी कम नहीं होता। वे बिन मांगे अधिक से अधिक परमात्मा के आशीर्वादों की वर्षा पाते हैं। जिससे कि उनका हृदय प्रभु के दिव्य-प्रेम से भर जाता है।
आत्मा से देना
कितनी बार हम सिर्फ दूसरों को प्रभावित करने के लिए अच्छाई का दिखावा करते हैं। क्या हम दफ्तर में अपने बॉस से नम्रता और सज्जनता से बातें करते हैं लेकिन अपने सहकर्मियों या अधीन काम करने वालों के साथ गलत व्यवहार करते हैं? हममें से कितने लोग दूसरों के सामने देने का दिखावा करते हैं, यह दिखाने के लिए कि हम कितने उदार हैं? जबकि अकेले में किसी रास्ते पर चलते हुए भिखारी के साथ हम बेरहमी से व्यवहार करते हैं।
आईये! हम अपनी आत्मा से दें। हमारी बुद्धि और मन हमेशा स्वार्थ के लिए दूसरों को देते हैं क्योंकि इन्हें दूसरों से प्रशंसा और इज्ज़त चाहिए। मन बड़े पैमाने पर दिखाना चाहता है कि हम कितने दयालु और प्रेम से भरे हुए हैं। जबकि असल में हम खुद की सेवा कर रहे हैं। इसके विपरीत हमारी आत्मा केवल देने के लिए ही देती है। आत्मा सच्चे ज़रूरतमंद की मदद करती है और बदले में कुछ भी नहीं चाहती। जब आत्मा देती है, तब परमात्मा ही हमारे अंतर में विराजमान होकर देते हैं।

जैसे परमात्मा सृष्टि में हर जीव के लिए अद्भुत उपहारों के बदले में कुछ भी नहीं चाहते, वैसे ही आत्मा भी नि:स्वार्थ भाव से देती है। यदि हम परमात्मा से जुडना चाहते हैं तो हमें आत्मा से, निस्वार्थ भाव से, प्रेम से, किसी दिखाने के बिना और बदले में कुछ पाने की इच्छा के बिना देना सीखना होगा। हमें दूसरों की तकलीफ में राहत पहुँचाना और सेवा करनी भी सीखनी होगी। यही आत्मा से देना है और इसी में दूसरों का उपचार करने की ताकत है। देने से आध्यात्मिक विकास ाध्यात्मिक र पर स का मतलब यह है कि जीवन के उच्चतर मूल्यों को अपने जीवन में ढालना। हम अपने वचनों, कर्मों और विचारो पर ध्यान दें ताकि हमारे विचार, वचन और कार्य नैतिक हों। एक आध्यात्मिक जीवन व्यतीत करने में ध्यान-अभ्यास करना और नैतिक जीवन जीना शामिल है। कहा जाता है कि नैतिकता ही आध्यात्मिक जीवन की पहली सीढ़ी है। नैतिक जीवन व्यतीत करने में अहिंसा, नम्रता, प्रेम और निष्काम सेवा जैसे गुणों को बढ़ाने पर ज़ोर दिया जाता है।
जब हम ऐसा जीवन व्यतीत करते हैं जिसमें दूसरों की सेवा दया और सब्र के साथ करते हैं, तब हम केवल अपने साथियों के लिए ही प्रेरणा नहीं बनते बल्कि जो आध्यात्मिक जीवन व्यतीत नहीं करते हैं, वे भी हमारे सब्र और उदारता के गुणों को देखते हैं। दूसरे जो अध्यात्म में रुचि रखते हैं वे भी जानना चाहेंगे हैं कि हम कैसे शांत और संयम से भरे हुए हैं। वे यह भी देखेंगे कि हम जीवन की चुनौतियों का सामना अहिंसा, प्रेम और नम्रता से करते हैं और कैसे हम निस्वार्थ भाव से स्वतंत्र होकर खुद को दूसरों के लिए समर्पित करते हैं। ये गुण दूसरों को भी ऐसा जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरणादायक होते हैं। इसीलिए यह ज़रूरी है कि हम नैतिक गुणों को अपने रोज़मर्रा के जीवन में महत्त्व दें और सभी के सामने एक आदर्श उदाहरण बनें।
निष्काम सेवा हमारे आध्यात्मिक विकास को भी मज़बूत करती है। हमारे विचारों से ही हमारे शब्द और कार्य होते हैं। यदि हम दूसरों की मदद करना चाहते हैं तो यह हमारे शब्दों और कार्यों से दिखेगा। यदि हम दूसरों को निष्काम सेवा के महत्त्व के बारे में बताते हैं तो पहले हमें स्वयं उस पर अमल करना होगा। हम दूसरों को यह कहने के बजाय कि कैसे निष्काम सेवा करें? हमें खुद को निष्काम सेवा करके एक उदाहरण के रूप में अपने आपको पेश करना होगा। आईये, हम एक सच्ची नि:स्वार्थ सेवा को अपने जीवन में शामिल करें।
इसमें ध्यान-अभ्यास भी हमारी मदद करता है क्योंकि जब हम शांत होकर बैठते हैं और अंतर में जाते हैं तो हम परमात्मा की ज्योति और श्रुति को दूसरों में भी देखते हैं। हम महसूस करते हैं कि हम सब परमात्मा के एक बड़े परिवार का हिस्सा हैं और आपस में हम सब जुड़े हुए हैं। इसीलिए यदि हममें से कोई भी मुसीबत में होता है तो हम सब मुसीबत में होते हैं। किसी एक का दिल दुखता है तो हम सबका दिल दुखता है। कोई एक अगर हार जाता है तो हम सब हारते हैं। हम सबको हारने की जगह जीतना चाहिए। यदि हमें जीतने के लिए सौगातें मिली हैं तो हम दूसरों की भी मदद करके सबको विजेता बना सकते हैं। यदि हम ऐसा करेंगे तो हम सभी जीत जाएंगे और हम सच्चे विजेता बन जाएंगे।
हम महसूस करते हैं कि चाहे हमारी पृष्ठभूमि अलग-अलग हैं लेकिन हम परमात्मा के परिवार के सदस्य हैं। यही प्रेम और सबको एक मानने का भाव ही निष्काम सेवा का मूल रहस्य है।

एक नजर

बालक सुधार केंद्र में दो किशोरों के साथ मारपीट व यौन उत्पीड़न

भोपाल। भोपाल में संचालित एक बालक सुधार केंद्र में दो किशोरों के साथ मारपीट और यौन उत्पीड़न की घटना सामने आई है। विभिन्न मामलों में आरोपित होने के बाद यहां लाए गए दो किशोरों के साथ वहां रह रहे हम उम्र अपचारियों ने मारपीट व सामूहिक दुष्कर्म किया। मामला तब खुला जब पीड़ितों के स्वजन मुलाकात करने पहुंचे। इस मामले में जांच के बाद श्यामला हिल्स पुलिस ने 11 आरोपितों के विरुद्ध पाक्सो और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। आरोपितों को दूसरे केंद्र में स्थानांतरित किया जा रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त संतोष पटेल ने बताया कि सात जुलाई को सुधार केंद्र प्रबंधन से शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की गई। दोनों पीड़ित किशोरों के बयान दर्ज कर अलग-अलग प्रकरण कायम किए गए हैं।मेडिकल परीक्षण में यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई है। एक मामले में छह और दूसरे में पांच विधि-विरोधी बालकों को आरोपित बनाया गया है। दोनों मामलों में कुल 11 किशोरों की भूमिका सामने आई है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटनाएं कब से हो रही थीं, कितनी बार हुईं और संस्थान के भीतर लगातार उत्पीड़न कैसे चलता रहा। दोनों पीड़ितों ने पिछले दिनों मुलाकात के दौरान अपने स्वजन को अपने साथ हो रही अमानवीयता की जानकारी दी थी।इसके बाद परिवार संबंधित जिलों में प्रशासन के पास पहुंचे और शिकायत की। शिकायत भोपाल पहुंचने पर सुधार गृह ने जांच शुरू की, उसके बाद एफआईआर दर्ज की गई।

भ्रष्टाचार का पर्याय बन चुका है मध्य प्रदेश : खरगे

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मध्यप्रदेश भाजपा सरकार के शासन में भ्रष्टाचार और लूटपाट होने का बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि राज्य आज भ्रष्टाचार का केंद्र बन गया है तथा एक के बाद एक घोटाले सामने आ रहे हैं। खरगे ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अब एथेनॉल के नाम पर 1,200 करोड़ रुपये के चावल घोटाले का मामला सामने आया है। राज्य में कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण के लिए निर्धारित करीब पांच लाख टन चावल को राइस मिलरों, एथेनॉल कारोबारियों और सरकारी संरक्षण में कथित भ्रष्टाचार का हिस्सा बनाया गया। उन्होंने कहा कि इससे पहले उज्जैन में जमीनों से जुड़ा बड़ा घोटाला सामने आया था, जहां कथित तौर पर उन्हीं क्षेत्रों में जमीनों का विस्तार हुआ, जहां सरकारी अवसंरचना परियोजनाएं और हाईवे कॉरिडोर प्रस्तावित थे। राज्य सरकार की भूमिका इस मामले में सवालों के घेरे में है कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि व्यापम घोटाले से शुरू हुई भ्रष्टाचार की यह श्रृंखला आज तक नहीं थमी है और पेपर लीक सहित अनेक मामलों ने प्रदेश की छवि को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मध्यप्रदेश को भ्रष्टाचार का मॉडल बना दिया है तथा प्रधानमंत्री की चुप्पी जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के लखनपुर में बनेगा स्ट्रीट फूड हब

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) । केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री स्वनिधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के लखनपुर में 'स्ट्रीट फूड हब' स्थापित करने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को इस निर्णय का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया और कहा कि पहले चरण में चयनित शहरों और कस्बों में लखनपुर का शामिल होना जम्मू-कश्मीर के विकास, पर्यटन और स्थानीय लोगों की आजीविका को प्राथमिकता देने की केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान यह निर्णय विशेष महत्व रखता है, क्योंकि इससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और अन्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। डॉ. सिंह ने आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय का भी आभार जताते हुए कहा कि लखनपुर के प्रस्ताव को पहले चरण में मंजूरी मिलने से स्थानीय रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं और छोटे उद्यमियों को लाभ होगा।

नशा केवल कानून-व्यवस्था नहीं, समाज, परिवार और राष्ट्र निर्माण का विषय

CM सैनी का ऐलान, गीदारी से बनेगा नशा मुक्त हरियाणा

- युवा नशे से मुक्त होंगे तभी विकसित हरियाणा और विकसित भारत का सपना होगा साकार : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) । हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नशा केवल कानून-व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि समाज, परिवार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय है। सरकार कानून बनाकर और पुलिस कार्रवाई कर नशे के कारोबार पर अंकुश लगा सकती है, लेकिन इस बुराई का स्थायी समाधान तभी संभव है, जब पूरा समाज इसके विरुद्ध एकजुट होकर जन-आंदोलन खड़ा करे। उन्होंने कहा कि 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत सामुदायिक पुलिसिंग और जन-सहभागिता को मजबूत करते हुए प्रदेश को नशा मुक्त बनाने के लिए व्यापक जन-जागरण अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को पंचकूला में 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत 'नशा मुक्त हरियाणा के लिए एनजीओ एवं केमिस्ट एसोसिएशनों के साथ संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आए सभी लोगों को नशा विरुद्ध शपथ भी दिलाई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर देश आगे बढ़ रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति तभी संभव है, जब देश और प्रदेश का युवा नशे से मुक्त होकर अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाए। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा केवल एक सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि विकसित हरियाणा और विकसित भारत के निर्माण की मजबूत आधारशिला है। सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है तथा समाज के प्रत्येक वर्ग के सहयोग से इस अभियान को जन-आंदोलन बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा का यह संकल्प केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करने वाला अभियान है। उन्होंने कहा कि हर एक व्यक्ति, संस्था, सामाजिक संगठन, केमिस्ट, पुलिस अधिकारी अथवा नागरिक इस अभियान में सहयोग कर रहा है, वह भविष्य के सुरक्षित, स्वस्थ और सशक्त हरियाणा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का यह संवाद केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस संकल्प का उद्घोष है, जो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य तय करेगा। यह ऐसे हरियाणा के निर्माण का अभियान है, जहां युवाओं की आँखों में राष्ट्र निर्माण का सपना होगा।

उन्होंने इस अभियान से जुड़े सभी स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, केमिस्ट समुदाय, पुलिस अधिकारियों तथा जागरूक नागरिकों का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश को नशा मुक्त बनाने में प्रत्येक नागरिक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब-जब समाज ने किसी बुराई के विरुद्ध सामूहिक संकल्प लिया है, तब-तब असंभव भी संभव हुआ है। महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान के माध्यम से करोड़ों लोगों को जनभागीदारी से जोड़ा। इसी प्रकार अब नशे के विरुद्ध भी व्यापक जन-आंदोलन खड़ा करने की आवश्यकता है।

नशा व्यक्ति ही नहीं, पूरे परिवार और समाज को तोड़ देता है

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा ऐसी सामाजिक बुराई है, जो व्यक्ति को पतन की ओर ले जाती है। यह केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, परिवार, संस्कार और सामाजिक मूल्यों को भी तोड़ देता है तथा अंततः राष्ट्र की ऊर्जा को कमजोर करता है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है और हरियाणा देश की सबसे ऊर्जावान भूमि है। प्रदेश के युवाओं ने खेल, शिक्षा, विज्ञान, उद्योग तथा अनेक क्षेत्रों में देश और दुनिया में हरियाणा का नाम रोशन किया है। ऐसे में यदि यही युवा नशे की गिरफ्त में चला जाए तो यह केवल एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे समाज की हार होगी। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति का जीवन बर्बाद नहीं करता, बल्कि एक मां की मुस्कान, पिता का सहारा, बहन की सुरक्षा, पत्नी का विश्वास और बच्चों का भविष्य भी छीन लेता है। इसलिए नशे के विरुद्ध संघर्ष केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि मानवता, परिवार, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण का विषय है।

केमिस्ट केवल दवा विक्रेता नहीं, समाज के स्वास्थ्य के प्रहरी हैं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित केमिस्ट एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि दवा विक्रेता केवल दवाइयों का व्यापार नहीं करते, बल्कि समाज के स्वास्थ्य और विश्वास की रक्षा भी करते हैं। उनके काउंटर पर केवल दवाइयां नहीं, बल्कि लोगों का विश्वास भी रखा होता है।

INS महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल, स्वदेशी मिसाइल-सेंसर से लैस

- 75% से ज्यादा हिस्सा भारत में बना; राजनाथ बोले- आंध्र प्रदेश बनेगा देश का ड्रोन हब

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। भारतीय नौसेना ने 11 जुलाई, 2026 को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह में स्वदेशी रूप से निर्मित उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट 'आईएनएस महेन्द्रगिरि' को अपने पूर्वी बेड़े में शामिल किया। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में इस अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत को असाधारण डिजाइन क्षमताओं, विनिर्माण उत्कृष्टता, नौसेना-औद्योगिक तंत्र के तीव्र विकास और समय पर अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म प्रदान करने की क्षमता के आधार पर जहाज निर्माण में भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताया।

'आईएनएस महे-?द्रगिरि' प्रोजेक?ट 17ए के अंतर्गत आने वाला छठा स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट है जिसे मात्र डेढ़ वर्ष के अंतराल में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। इस श्रृंखला का पहला जहाज 'आईएनएस नीलगिरि' जनवरी 2025 में शामिल किया गया इसके बाद अगस्त में 'आईएनएस उदयगिरि' और 'आईएनएस हिमगिरि', इस वर्ष अप्रैल में 'आईएनएस तारागिरि' और पिछले महीने 'आईएनएस दुनागिरि' को शामिल किया गया। भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन किया गया और मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित यह जहाजी बेड़ा वायु रक्षा, सतह-विरोधी युद्ध, पनडुब्बी-रोधी युद्ध, समुद्री अवरोधन, निगरानी और मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) सहित समुद्री अभियानों को पूरा करने में सक्षम है। 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री से निर्मित इस युद्धपोत का विस्थापन लगभग 6,670 टन है और यह 28 समुद्री मील प्रति घंटे तक की गति प्राप्त करने में सक्षम है। यह सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं और एक बहु-भूमिका वाले हेलीकॉप्टर से सुसज्जित है, साथ ही इसमें उन्नत स्टील्थ विशेषताएं, आधुनिक सेंसर, नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणाली और अत्याधुनिक हथियार भी मौजूद हैं।

राजनाथ सिंह ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, आईएनएस महेन्द्रगिरि को दुनिया की सबसे तेज और सबसे घातक क्रूज मिसाइलों में से एक ब्रह्मोस सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल से सुसज्जित किया जा सकता है। इसमें बहुक्रियाशील रडार और सतह से वायु में मार करने वाली मिसाइलें लगी है जो लंबी दूरी पर हवाई खतरों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने में सक्षम है। इसके शस्त्रागार में स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर, टॉरपीडो लॉन्चर, एकीकृत पनडुब्बी रोधी रक्षा प्रणाली, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और क्लोज-इन वेपन सिस्टम भी शामिल हैं। ये सभी क्षमताएं युद्धपोत को दुर्जेय और अभेद्य बनाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह समुद्री पोत न केवल तट के पास बल्कि गहरे महासागरों में भी भारत के समुद्री हितों की रक्षा करेगा।

हरियाणा मे मानसून की तैयारियों की मुख्यमंत्री ने की व्यापक समीक्षा

- प्रदेशभर में प्रभावी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मानसून के मद्देनजर प्रदेशभर में जल निकासी व्यवस्था, जलभराव की रोकथाम तथा संभावित बाढ़ प्रबंधन की तैयारियों की शुक्रवार देर रात व्यापक समीक्षा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी उपायुक्तों, मंडलायुक्तों तथा सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी स्थानीय निकाय, विकास एवं पंचायत, राजस्व, स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं, प्रदेश में कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें और किसी भी स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जिलों में जल निकासी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करें तथा फील्ड स्तर पर प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए। जिन क्षेत्रों में जलभराव की आशंका रहती है, उनकी पहले से पहचान कर वहां सभी आवश्यक प्रबंध समय रहते पूरे किए जाएं। वर्षा के तुरंत बाद प्रभावित क्षेत्रों से पानी की शीघ्र निकासी सुनिश्चित की जाए, ताकि जनजीवन सामान्य बना रहे और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, शहरी स्थानीय निकाय, विकास एवं पंचायत, राजस्व, पुलिस तथा अन्य संबंधित विभाग बेहतर समन्वय के साथ कार्य करें। जल निकासी के लिए आवश्यक पंप सेट, मोटर, पाइप तथा अन्य उपकरण पूरी तरह कार्यशील अवस्था में तैयार रखे जाएं। उपमंडल स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समय-समय पर समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश से गुजरने वाली नदी सहित सभी ड्रेन की नियमित निगरानी की जाए तथा जहां कहीं भी बरसाती पानी के प्रवाह में अवरोध हो, उसे तत्काल हटाकर निर्बाध जल निकासी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यमुना नदी के जलस्तर पर लगातार नजर रखने के निर्देश देते हुए कहा कि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में संवेदनशील क्षेत्रों में अधिकारियों की तत्काल तैनाती सुनिश्चित की जाए।

भारत- न्यूजीलैंड के बीच 35000 करोड़ रुपए के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) । भारत और न्यूजीलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 35000 करोड रुपए करने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच ऑकलैंड में शुक्रवार देर रात हुई वार्ता में ये निर्णय लिए गए। दोनों पक्षों ने 'भारत-न्यूजीलैंड रणनीतिक साझेदारी: 2030 के रोडमैप' को भी अपनाया।

दोनों नेताओं ने भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का स्वागत किया तथा इसे शीघ्र प्रभावी बनाने और इसके प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में कार्य करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने 2030 तक वस्तुओं और सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर लगभग 35,000 करोड़ रु तक पहुँचाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया।

दोनों पक्ष नए समुद्री प्रबंधों के माध्यम से रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को और गहरा करने, नियमित विदेश मंत्रियों के संवाद तथा वार्षिक समुद्री सुरक्षा संवाद स्थापित करने और आतंकवाद-रोधी प्रयासों, साइबर सुरक्षा, कानून प्रवर्तन, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, आपदा प्रबंधन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा जलवायु कार्रवाई में सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमत हुए।

क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भारत और न्यूजीलैंड ने स्वतंत्र, मुक्त, खुले और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। न्यूजीलैंड ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार तथा भारत की स्थायी सदस्यता के प्रति अपना समर्थन दोहराया। दोनों देशों ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने तथा यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए संवाद तथा कूटनीति अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की नीति को दोहराया। दोनों नेताओं ने पिछले पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले तथा लाल किले के निकट हुई आतंकवादी घटना की भी कड़ी निंदा की और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने का आह्वान किया।

MP में 1160 करोड़ के फोर्टिफाइड चावल घोटाले में एफआईआर

- मीडिया के खुलासे के बाद 13 पर केस, 4 गिरफ्तार; राइस मिलर्स पिता-पुत्र फरार

बालाघाट (राजधानी चौपाल)

मध्यप्रदेश के बालाघाट में एक मीडिया हाउस की पड़ताल में 1,160 करोड़ रुपए के फोर्टिफाइड चावल घोटाले का खुलासा होने के बाद आखिरकार पुलिस ने शनिवार शाम वारासिवनी थाने में एफआईआर दर्ज कर ली। मामले में 13 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया गया है। अब तक 4 लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जबकि संचेती राइस मिल के संचालक गंभीर संचेती और उनके बेटे सौरभ संचेती के खिलाफ कोर्ट से गैर-जमानती वारंट जारी हुआ है। दोनों फरार हैं।

मीडिया हाउस ने अपनी इन्वेस्टिगेशन में खुलासा किया था कि एथेनॉल उत्पादन के नाम पर सरकारी फोर्टिफाइड चावल की खरीद-बिक्री में करोड़ों रुपए का खेल चल रहा था। सरकारी सिस्टम से करीब 2320 रुपए प्रति क्विंटल में निकलने वाला चावल करीब 2800 रुपए प्रति क्विंटल में बेचा जा रहा था। इस पूरे नेटवर्क में कई स्तरों पर मुनाफा बांटा जा रहा था। जांच के दायरे में आने के डर से लंबे समय तक कार्रवाई नहीं होने की भी बात सामने आई थी। मामले की शुरूआत 3 जून को हुई, जब वारासिवनी क्षेत्र में संचेती राइस मिल के पास सरकारी फोर्टिफाइड चावल से भरा एक ट्रक पकड़ा गया। यह चावल बालाघाट के एफसीआई गोदाम से छिंदवाड़ा के एवीजे एथेनॉल प्लांट भेजा जाना था।

शुरूआती जांच में एक ट्रक का मामला सामने आया, लेकिन पड़ताल आगे बढ़ी तो ट्रकों, राइस मिलर्स और ट्रांसपोर्ट नेटवर्क की परतें खुलती चली गईं। एफआईआर के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में ट्रक ड्राइवर दुर्गेश शेंडे, एवीजे एथेनॉल प्लांट का प्रतिनिधि राहुल प्रताप, प्लांट सुपरवाइजर राकेश श्रीवास्तव और सिवनी का ट्रांसपोर्टर उबेद खान शामिल हैं। वहीं, संचेती राइस मिल के संचालक गंभीर संचेती और उनके बेटे सौरभ संचेती फरार हैं। दोनों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बताया कि पूरे मामले की जांच के लिए 20-25 सदस्यीय एसआईटी गठित की गई है। टीम अब तक 17 ट्रक जब्त कर चुकी है। 50 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है, जबकि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सिवनी के दो राइस मिलर्स समेत 5-6 लोगों को नोटिस देकर बयान दर्ज किए गए हैं। हालांकि, जांच को लेकर सवाल अब भी बने हुए हैं। मीडिया हाउस ने अपनी पड़ताल में संकेत दिए थे कि सरकारी चावल की सप्लाई केवल एक एथेनॉल प्लांट तक सीमित नहीं थी।

स्पष्ट लक्ष्यों और ठोस परिणामों के साथ सहयोग को आगे बढ़ाएंगे भारत और न्यूजीलैंड : मोदी

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भारत यात्रा से जहां दोनों देशों के संबंधों में नयी ऊर्जा आयी, वहीं उनकी मौजूदा यात्रा से दोनों के संबंधों में नये अध्याय की शुरूआत हुई है। उन्होंने कहा कि दोनों देश स्पष्ट लक्ष्यों और ठोस परिणामों के साथ परस्पर सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। श्री मोदी ने उनके सम्मान में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित भोज के दौरान अपने संबोधन में उनके भारतीय प्रतिनिधिमंडल के गर्म जोशी भरे स्वागत के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष प्रधानमंत्री लक्सन की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में नयी ऊर्जा आयी और वर्तमान यात्रा दोनों देशों के संबंधों में नये अध्याय की शुरूआत है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर पर ले जाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि दोनों देश स्पष्ट लक्ष्यों और ठोस परिणामों के साथ सहयोग को आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने मुक्त व्यापार समझौते को उद्योगों, किसानों और युवाओं के लिए नए अवसर खोलने वाला बताया। श्री मोदी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में दोनों देशों के व्यापार में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और मुक्त व्यापार समझौता अगले पांच वर्षों में व्यापार को दोगुना करने का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने न्यूजीलैंड के भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश संकल्प का स्वागत किया। उन्होंने वित्त प्रौद्योगिकी, कृषि, डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, पारंपरिक चिकित्सा, रक्षा और सुरक्षा क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सहयोग के लिए एक ढांचे पर सहमति बनायी है। श्री मोदी ने भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि लोगों के बीच संबंध दोनों देशों की सबसे मजबूत ताकत हैं। उन्होंने सांस्कृतिक सहयोग समझौते, शिक्षा और खेल क्षेत्र में बढ़ते सहयोग का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड वैश्विक मंच पर भरोसेमंद साझेदार हैं और संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य वैश्विक संस्थानों में सुधार की आवश्यकता पर दोनों देशों की समान सोच है। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग के लिए संयुक्त कार्य समूह के गठन का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने माओरी नव वर्ष मातरिकी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इसे भारत में प्राचीन काल से कृत्तिका नक्षत्र के रूप में जाना जाता है।

एयर ट्रैफिक कंट्रोलर की सजगता से मुंबई हवाई अड्डे पर टला बड़ा हादसा: एएआई

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने शनिवार को कहा कि मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तैनात एयर ट्रैफिक कंट्रोलर की सजगता के कारण सात जुलाई की रात एक बड़ा हादसा टल गया।

एएआई ने बताया कि उस दिन एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान संख्या एक्सबी-1547 बागडोगरा से मुंबई आयी थी। विमान ने रात 9.47 बजे रनवे 27 पर लैंड किया। उसे रैपिड एग्जिट टैक्सीवे एन7 से होकर रनवे खाली करके टैक्सीवे डब्ल्यू6 से आगे बढ़ने के लिए कहा गया था। एयर इंडिया की दिल्ली जा रही उड़ान एआईसी 816 को 9.48 बजे रनवे 27 से उड़ान भरने की अनुमति दी गयी। इससे पहले, एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान रनवे से हटकर एन7 टैक्सीवे में प्रवेश कर चुका था।

एएआई ने बताया कि बारिश के कारण उस समय हवाई अड्डे पर दृश्यता कम थी। ऐसे में टावर में मौजूद सर्फेस मूवमेंट कंट्रोलर ने एडवांस्ड सर्फेस मूवमेंट गाइडेंस एंड कंट्रोल सिस्टम पर देखा कि एएक्सबी-1547 किसी कारण से टैक्सीवे एन7 से जंक्शन पर रुक गया था। पायलट से आगे बढ़ने के लिए कहने के लिए बार-बार संपर्क करने की कोशिश की गयी, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। इसके बाद मूवमेंट कंट्रोलर ने टावर कंट्रोलर को पूरी बात बतायी। टावर कंट्रोलर ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पायलट से संपर्क किया जिसने कहा कि वह अब भी एन7 टैक्सीवे पर है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टावर कंट्रोलर ने एयर इंडिया के पायलट से उड़ान भरने की प्रक्रिया बीच में हो छोड़ देने के लिए कहा। उस समय एयर इंडिया के विमान ने रनवे पर दौड़ना शुरू कर दिया था। हालांकि समय रहते उड़ान रोक देने के हादसा टल गया।

एएआई ने मीडिया में आयी उन खबरों पर नाराजगी जाहिर की है जिनमें घटना में टावर कंट्रोलर की गलती बतायी गयी थी। प्राधिकरण के बयान में कहा गया है, ह्लतथ्य इसके बिल्कुल उलट है। एयर ट्रैफिक कंट्रोलर की सतर्कता और समय पर उचित निर्णय लेने से सुरक्षा सीमा के उल्लंघन से बचा जा सका।

सीएम सैनी ने एकमुश्त निपटान योजना में टैक्स छूट का लाभ उठाने का किया आह्वान

'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली और' ऑनलाइन आबकारी सेवाओं' का शुभारंभ

- कहा , पारदर्शिता आएगी और राजस्व में होगी बढ़ोतरी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को राज्य के आबकारी प्रशासन में डिजिटल परिवर्तन की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए संशोधित 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली और ऑनलाइन आबकारी सेवाओं की शुरूआत की है। इन नई पहलों का मुख्य उद्देश्य प्रौद्योगिकी-संचालित शासन के माध्यम से पारदर्शिता को मजबूत करना, नियामक निरीक्षण में सुधार लाना, सरकारी राजस्व को सुरक्षित करना और व्यापार करने की सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आबकारी एवं कराधान विभाग के विजन -2047 की भी समीक्षा की। उन्होंने विभाग से संबंधित सीएम-अनाउंसमेंट तथा संकल्प-पत्र की घोषणाओं की भी प्रगति रिपोर्ट ली।

मुख्यमंत्री ने शराब के लिए क्यूआर कोड-आधारित 'ट्रैक एंड ट्रेस' प्रणाली का एक उन्नत संस्करण पेश किया है। इस प्रणाली के तहत डिस्टिलरी और बॉटलिंग से लेकर थोक और खुदरा बिक्री तक, शराब की हर बोतल की विजिट पर पैनी नजर रखी जा सकेगी और उसकी विशिष्ट पहचान की जा सकेगी। यह व्यवस्था इन्वेंट्री की आवाजाही पर बेहतर नजर रखने, आबकारी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और अवैध शराब के प्रसार पर रोक लगाकर निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देगी।

इसके अलावा, आबकारी विभाग को इस प्रणाली से पूरी आपूर्ति श्रृंखला की रीयल-टाइम निगरानी करने, कर चोरी और तस्करी के खिलाफ प्रवर्तन को मजबूत करने, डेटा-आधारित निर्णय लेने और राज्य के राजस्व को सुरक्षित करने में बड़ी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई यह तकनीक-आधारित पहल पारदर्शी प्रशासन, प्रभावी विनियमन और आबकारी राजस्व में निरंतर वृद्धि के लिए डिजिटल गवर्नेंस का उपयोग करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। आबकारी नियामक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने 8 नई ऑनलाइन आबकारी सेवाएँ भी लॉन्च की हैं, जिससे अब विभिन्न लाइसेंसों और अनुमतियों के लिए ऑनलाइन और पेपरलेस सर्विस वितरण का दायरा बढ़ गया है। इन ऑनलाइन सेवाओं में एक महत्वपूर्ण जुड़ाव अस्थायी शराब परोसने के लाइसेंस (L-12A-C) का अनुदान है। यह सर्विस सामाजिक और सार्वजनिक समारोहों जैसे कि कार्यक्रमों, संगीत कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और इसी तरह के अवसरों के लिए अस्थायी शराब परोसने के लाइसेंस को ऑनलाइन प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करती है। यह ऑनलाइन प्रणाली लाइसेंसिंग प्रक्रिया को सरल बनाएगी, अनुपालन के बोझ को कम करेगी और आवेदकों के लिए व्यापार करने की सुगमता को बढ़ाएगी।

इसके साथ ही, मैरिज पैलेस और बैंक्वेट हॉल के वार्षिक पंजीकरण, विकृत स्पिरिट आउटलेट लाइसेंस (छ-17), औद्योगिक और औषधीय स्पिरिट कब्जा परमिट (L-42A से L-42D) और खुदरा शराब की दुकानों के समय विस्तार की अनुमति के लिए भी ऑनलाइन सेवाएँ शुरू की गई हैं। इनमें से प्रत्येक सर्विस को पूरी तरह से डिजिटल और पेपरलेस वर्कफ्लो पर तैयार किया गया है, जिससे आवेदक ऑनलाइन आवेदन जमा कर सकते हैं, उसकी प्रगति की निगरानी कर सकते हैं और 7 कार्य दिवसों की तय समय-सीमा के भीतर पोर्टल के माध्यम से मंजूरी प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने आबकारी प्रशासन को आधुनिक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के विभाग के प्रयासों की सराहना की और इन नई प्रणालियों को पूरे राज्य में प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने करदाताओं से 1 जून 2026 से वैट, सीएसटी, हरियाणा सामान्य बिक्री कर अधिनियम जैसे प्री-जीएसटी कर कानूनों के लिए शुरू की गई 'एकमुश्त निपटान योजना 2026 के तहत आवेदन कर टैक्स छूट का लाभ उठाने का भी आग्रह किया। इस ओटीएस-2026 के तहत सभी करदाताओं के लिए 100% जुमार्ना और ब्याज माफ कर दिया गया है और विभिन्न स्लैब में देय कर में भारी छूट भी दी गई है।

दरभंगा में बम विस्फोट चंचल नगर में दो युवक गंभीर घायल, क्षेत्र में दहशत

दरभंगा (एजेंसी)। बिहार के दरभंगा जिले के चंचल नगर में मंगलवार को एक बम विस्फोट हुआ, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मची और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। घायलों की पहचान लक्ष्मी पासवान के पुत्र रामबाबू पासवान और कमलेश पासवान के पुत्र श्रीकांत पासवान के रूप में हुई है। लोगों की मदद से उन्हें तत्काल दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (डीएमसीएच) में भर्ती कराया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पतोर थाना सहित कई अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि विस्फोट किस परिस्थिति में हुआ और बम वहां कैसे पहुंचा। फिलहाल, पुलिस की ओर से विस्फोट के कारणों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। प्रारंभिक जांच जारी है और अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा। इस घटना के बाद पूरे चंचल नगर इलाके में दहशत का माहौल है और स्थानीय लोग विस्फोट की आवाज से सहम गए हैं। पतोर थानाध्यक्ष ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

फोरलेन के बीच आया सालों पुराना पेड़, लोगों ने किया विरोध तो डिजाइन बदला

अमृतसर (एजेंसी)। शहर के मेहता रोड फोरलेन निर्माण के दौरान पर्यावरण संरक्षण की एक अनूठी मिसाल कायम की गई है। यहां गिल गांव के पास हाईवे निर्माण में आ रहे करीब 300 साल पुराने पीपल के पेड़ को काटने की योजना थी लेकिन गांव वाले गुरजंट सिंह, सुखबीर सिंह, डॉ. गुरमीत सिंह जोहल समेत अन्य ने इसका विरोध किया, जिसके बाद एनएचएआई ने सड़क का डिजाइन बदल दिया। पेड़ के आसपास की जगह को भी संरक्षित कर दिया। वहीं डीएफओ ने बताया कि यह पीपल का पेड़ करीब 300 साल पुराना है जो बेहद सुंदर और घनी छाया देता है। उन्होंने खुद मौके पर जाकर निरीक्षण किया और इसे संरक्षित रखने के फैसले की सराहना की। यह उदाहरण दिखाता है कि विकास कार्यों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी संभव है, बशर्ते सब मिलकर कोशिश करें।

दर्दनाक हादसा : कुएं में गिरे 13 हिरण और एक कुत्ता, सभी की मौत

भोपाल (एजेंसी)। शुजालपुर अनुभाग की कालापीपल तहसील के खरदौनकलां गांव में हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां एक खेत के कुएं से तेरह हिरणों और एक आवारा कुत्ते के शव बरामद हुए हैं। खेत मालिक कृष्णाबाई पाटीदार के परिजनों को कुएं से तेज दुर्गंध आने पर यह भयावह दृश्य दिखा। शव बुरी तरह सड़े-गले होने के कारण आशंका है कि यह घटना कुछ दिन पहले हुई होगी। सूचना मिलने पर वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत वरिष्ठ अधिकारी की उपस्थिति अनिवार्य होने के कारण नायब तहसीलदार की देखरेख में सभी शवों को कुएं से बाहर निकाला गया। पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद घटनास्थल के पास ही विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्रारंभिक जांच में आशंका है कि हिरणों का झुंड किसी आवारा कुत्ते से बचने के दौरान तेजी से भागा और कुएं में जा गिरा। जिस कुत्ते से वे बच रहे थे, वह भी शायद उनके साथ ही कुएं में गिर गया और उसकी भी मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि कुएं की मुंडेर (सुरक्षा दीवार) का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त था, संभवत: उसी टूटे हिस्से से ये हिरण गिरे। मृत हिरणों में चार नर और नौ मादा शामिल हैं। कालापीपल-शुजालपुर क्षेत्र हिरणों की बड़ी आबादी के लिए जाना जाता है। कुछ समय पहले ही यहां से बोमा पद्धति द्वारा सैकड़ों हिरणों को अन्य स्थानों पर स्थानांतरित किया गया था। यह घटना क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और कुओं की उचित मुंडेर जैसे सुरक्षा उपायों के महत्व को रेखांकित करती है। वन विभाग ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

पत्नी ने पहले छत से दिया धक्का, बच गया तो ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर कर दिया इंजेक्ट

-पुलिस को किया गुमराह, पोस्टमार्टम में खुला राज, महिला, प्रेमी व दोस्त गिरफ्तार

निजामाबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक महिला नर्स ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नर्स संध्या (32), उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी जानकारी सोमवार को सामने आई। पुलिस के मुताबिक महिला का पति प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिल सकी है। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें विवाद होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में वह छत से गिर गए थे। जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का दावा है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया था। प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर शक हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच में पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है।

करूर हादसे में पीड़ितों को मुआवजा देने से रोकने की डीएमके की याचिका खारिज

हम सीएम के काम तय नहीं करेंगे, कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के करूर में रैली में हुए हादसे में 41 लोगों की मौत हो गई थी। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था। डीएमके ने मौजूदा टीवीके सरकार के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। सीएम विजय हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलकर उन्हें मुआवजा और नौकरी देने की बात कही है, डीएमके का कहना था कि सीएम विजय को रोकना चाहिए, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके की याचिका को खारिज कर दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसी भी सीएम की गतिविधियों को तय नहीं करेंगे। जजों ने डीएमके के वकील से कहा कि वह कोर्ट को राजनीतिक लड़ाई का मंच न बनाएं। अगर सत्ताधारी टीवीके के नेता हादसे को लेकर बयान दे रहे हैं, तो डीएमके भी उसके जवाब में बयान दे

सकती है। यह लड़ाई कोर्ट के बाहर लड़ी जानी चाहिए। डीएमके ने याचिका दाखिल कर कहा था कि पिछले साल टीवीके की रैली में हुए हादसे की जांच को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। सीएम विजय 41 लोगों की मौत वाले इस हादसे के पीड़ितों को 10-10 लाख रुपए मुआवजा और सरकारी नौकरी देने के लिए करूर जाने वाले हैं। डीएमके ने इसका विरोध किया था।

बता दें पिछले साल सितंबर में टीवीके की करूर में एक रैली की थी, जिसमें भगदड़ मच गई थी। इस दौरान 41 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना की जांच मद्रास हाईकोर्ट ने विशेष जांच दल को सौंपी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने मामले की जांच राज्य पुलिस से लेकर सीबीआई के हाथों में दे दी थी। खास बात यह है कि जांच की निगरानी कोर्ट एक कमेटी भी कर रही है। सीएम विजय पीड़ित परिवारों से मिलने वाले हैं।

छत्तीसगढ़ में गैर मुस्लिम से निकाह करने लेनी होगी वक्फ बोर्ड से अनुमति

-अंतर-धार्मिक निकाह प्रक्रिया को पारदर्शी व व्यवस्थित बनाने नई व्यवस्था लागू

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में अंतर-धार्मिक निकाह की प्रक्रिया को ज्यादा पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के लिए छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड नई व्यवस्था लागू करने जा रहा है। प्रस्तावित नियम अगस्त 2026 से पूरे प्रदेश में प्रभावी होंगे। इसके तहत यदि कोई मुस्लिम युवती या युवक किसी गैर-मुस्लिम से निकाह करना चाहता है, तो पहले वक्फ बोर्ड से अनुमति लेना जरुरी होगा। अनुमति के लिए दोनों पक्षों की सहमति, पहचान संबंधी दस्तावेज, आवश्यक होने पर मतांतरण से जुड़े दस्तावेज और अन्य कानूनी औपचारिकताओं की जांच की जाएगी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद ही निकाह की अनुमति दी जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छत्तीसगढ़ वक्फ बोर्ड ने प्रदेश के सभी निकाह पढ़ाने वाले मौलानाओं का पंजीयन भी अनिवार्य करने का फैसला लिया है। केवल पंजीकृत मौलाना ही निकाह पढ़ा सकेंगे। बिना अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर निकाह कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज ने बताया कि वर्तमान में कई स्थानों पर निकाह का कोई केंद्रीय रिकॉर्ड नहीं होने से भविष्य में पहचान, वैवाहिक स्थिति और दस्तावेज से जुड़े विवाद सामने आते हैं। नई व्यवस्था के तहत हर निकाह का रिकॉर्ड वक्फ बोर्ड के पास सुरक्षित रहेगा और एक समान प्रारूप में निकाहनामा और प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। बोर्ड का कहना है कि यह व्यवस्था किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि निकाह प्रक्रिया को कानूनी रूप से पारदर्शी बनाने, फर्जी दस्तावेज, विवादित निकाह और शिकायतों की निगरानी के उद्देश्य से लागू की जा रही है।

कांग्रेस बाद में रोना मत: ओवैसी ने जताई एनआरसी लागू होने की आशंका

-एसआईआर पर सवाल उठाते हुए बोले- अमित शाह कच्चा काम नहीं करते

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आशंका जताई है कि भविष्य में इसे राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की दिशा में इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को भी आगाह करते हुए कहा कि यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो बाद में शिकायत करने का कोई लाभ नहीं होगा।

वकीलों की एक बैठक को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिना योजना के कोई कदम नहीं उठाते। उन्होंने कहा, अमित शाह कच्चा काम नहीं करते, वे हर कदम एक तय कार्यक्रम के तहत उठाते हैं। मुझे संदेह है कि आखिरकार सरकार एनआरसी लागू करना चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि जनसांख्यिकी की जांच के लिए सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय आयोग भी इसी दिशा का संकेत हो सकता है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनकी आशंका गलत भी साबित हो सकती है।

ओवैसी ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाना है। उन्होंने तेलंगाना सरकार से स्थायी निवास प्रमाणपत्र (परमानेंट रेसिडेंट सर्टिफिकेट) जारी करने और इसके लिए स्पष्ट मानक तय करने की मांग की। उनका कहना था कि सरकार को समय रहते रचनात्मक कदम उठाने चाहिए, ताकि भविष्य में लोगों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने कहा कि यदि गरीबों के नाम मतदाता सूची से कटते हैं तो बाद में रोने से कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन का उदाहरण देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को समय रहते इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग फिलहाल तेलंगाना सहित 16 राज्यों और तीन केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया चला रहा है। ओवैसी का कहना है कि यदि इस प्रक्रिया में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटते हैं, तो भविष्य में उन्हें नागरिकता संबंधी अन्य प्रक्रियाओं में भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, एनआरसी को लेकर विपक्षी दल पहले से ही केंद्र सरकार के रुख का विरोध करते रहे हैं।

देशभर में मानसून का कहर...टैंकर-गाडियां बहा ले गई सुरंग की मिट्टी, कई मलबे में दबे; पहाड़ से गिरे पत्थर और मिट्टी से घर-दुकानें बर्बाद हुईं

वायनाड में लैंडस्लाइड, 4 की मौत, डोडा में बादल फटने से बाढ़

वायनाड/जम्मू/भोपाल (एजेंसी)। मानसून देशभर में पूरी तरह सक्रिय हो गया है। मानसूनी बारिश से कई राज्यों और शहरों में स्थिति चिंताजनक हो गई है। केरलम के वायनाड में मंगलवार सुबह तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुआ। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, 8 लोग घायल हुए हैं। कई लोगों के मलबे में दबे होने की सूचना है। वहीं जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। सडकों पर कई गाडियां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। वहीं, मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई। बमीठा में नेशनल हाईवे-39 पर 3 फीट तक पानी भर गया।

वायनाड में हादसा कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन का काम चल रहा है। टनल से मिट्टी निकालकर बाहर जमा की गई थी। बारिश के चलते मिट्टी खिसक गई, जिससे पेड़ उखड़ गए और बैरिकेड भी बह गए। हादसे का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, इसमें दिख रहा है कि 7 जुलाई को सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर सुरंग से तेज लहर के साथ आया मलबा एक टैंकर को तिनके की तरह बहाकर ले गया। दो लोग इसके मलबे में फंसे। पुलिस, एनडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। मलबा हटाने के लिए हाइड्रोलिक मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था।

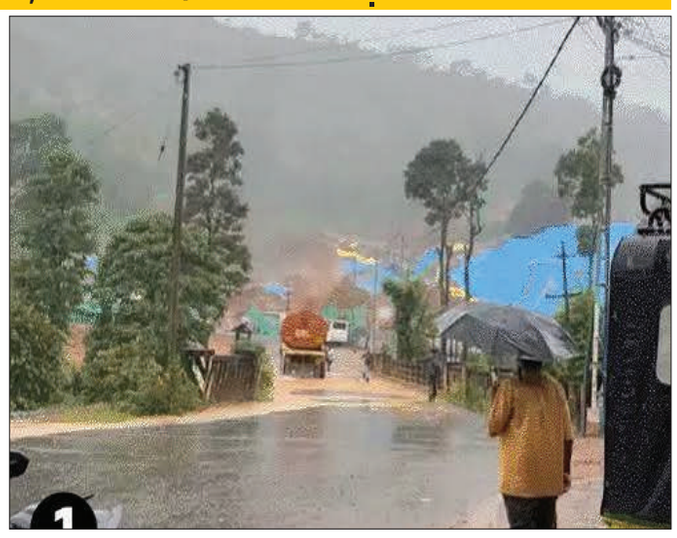

भारत-नेपाल सीमा पर यूक्रेनी महिला गिरफ्तार, बिना वैध दस्तावेज नेपाल जाने की कोशिश नाकाम

पूर्वी चंपारण (एजेंसी)। भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सैनिक रोड के समीप विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान महिला को रोककर उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला हरपुर सीमा के रास्ते भारत से नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि महिला की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर हरपुर थाना पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने सैनिक रोड के समीप विशेष जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान महिला को रोककर उसके पासपोर्ट, वीजा और अन्य यात्रा संबंधी दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह कोई भी वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी। इसके बाद उसे विधिसम्मत तरीके से गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला हरपुर सीमा के रास्ते भारत से नेपाल में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास कर रही थी। अब सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह भारत में कब और किस माध्यम से पहुंची, किन-किन स्थानों पर रही और उसके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। इसके अलावा इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं इस मामले के पीछे कोई संगठित गिरोह या मानव तस्करी नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। सीमा सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि भारत-नेपाल सीमा पर निगरानी लगातार बढ़ाई जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। विदेशी नागरिकों के आवागमन से जुड़े मामलों में आव्रजन नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। बिना वैध दस्तावेज के किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पुलिस ने गिरफ्तार महिला के खिलाफ संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस, एसएसबी और अन्य केंद्रीय एजेंसियां संयुक्त रूप से मामले के हर पहलू की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले से जुड़े कई अहम तथ्य सामने आ सकते हैं। यह कार्रवाई भारत-नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

राम मंदिर विवाद: मायावती का विपक्ष को चैलेंज, सबूत दो, वरना ये सिर्फ चुनावी दिखावा है

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने राज्य सरकारों से कहा है कि वे उत्तर प्रदेश के अयोध्या राम मंदिर और उत्तराखंड के बद्रीनाथ धाम में चंदे के कथित गबन की जांच को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि मंदिर के प्रबंधकों की मिलीभगत या लापरवाही के कारण गड़बड़ी हो सकती है। 7 जनवरी, 2026 को X पर एक पोस्ट में, मायावती ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (AAP) समेत विपक्षी दलों की आलोचना की और चेतावनी दी कि ठोस सबूत के बिना उनके दावों को सच्ची निष्ठा के बजाय राजनीतिक दिखावा माना जाएगा।

उन्होंने लिखा कि यूपी में अयोध्या के श्री राम मंदिर के बाद, अब उत्तराखंड राज्य के बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की चोरी और गबन का मामला भी काफी चर्चा में है। इन दोनों मशहूर धार्मिक स्थलों के ट्रस्ट से जुड़े मुख्य प्रबंधकों की भी ठीक से जांच होनी चाहिए; वरना, भविष्य में उनकी जगह नियुक्त होने वाले दूसरे मुख्य प्रबंधक इसका गलत फायदा उठा सकते हैं। मायावती ने आगे कहा कि क्योंकि आम चर्चा है कि निचले स्तर पर जो भी गड़बड़ियां हुई हैं, वे या तो मुख्य प्रबंधकों की मिलीभगत से हुई हैं या उनकी लापरवाही के कारण। इसलिए, अब इस मामले की ठीक से जांच करना बहुत ज़रूरी है, और सरकार तथा SIT को इस मामले पर खास ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्षी पार्टियां 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले गबन के इस मामले का इस्तेमाल राजनीतिक हथियार के तौर पर कर रही हैं। पोस्ट में लिखा है कि साथ ही, SP, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी जैसे दलों के वरिष्ठ नेताओं ने यहां (श्री राम मंदिर में) चढ़ावे की भारी चोरी और गबन के जो दावे किए हैं, उनके बारे में उनसे ठोस सबूत भी मांगे जाने चाहिए, ताकि कोई चोर या गबन करने वाला बच न सके; वरना, इसे सिर्फ़ राजनीतिक दिखावा माना जाएगा—यानी सच्ची श्रद्धा नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को दरकिनार करके ये पार्टियां अब इस मुद्दे की आड़ में चुनाव लड़ना चाहती हैं—आम चर्चा यही है।

राम मंदिर दान में गबन का विवाद उत्तर प्रदेश के बाहर भी चर्चा का विषय बन गया है। विपक्षी पार्टियों ने राज्य सरकार की आलोचना की है और AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दावा किया है कि उनके पास इस बात के सबूत हैं। स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) की शुरुआती जांच में काउंटिंग रूम में सुरक्षा में गंभीर चूक और कुछ कर्मचारियों द्वारा कैश को व्यवस्थित तरीके से छिपाने का मामला सामने आया है। 27 अप्रैल से 5 जून के बीच देखे गए CCTV फुटेज में कर्मचारियों द्वारा कैश के बंडल छिपाने की लगभग 70 संदिग्ध घटनाएं सामने आईं।

बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को एनआईए कोर्ट ने सुनाई सज़ा

लखनऊ (एजेंसी)। भारत में अवैध रूप से घुसपैठ करने वाले 15 व्यक्तियों को एनआईए स्पेशल कोर्ट ने कड़ा दंड सुनाया है। लखनऊ स्थित एनआईए स्पेशल कोर्ट ने इन सभी 15 दोषियों को 5-5 साल की कठोर कैद की सजा दी है। ये सभी दोषी बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुस्लिम बताए जा रहे हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे। अदालत ने प्रत्येक दोषी पर 28-28 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है, उनमें महफूजुर रहमान, अल अमीन अहमद, खोखन सरदार, अलाउद्दीन तारीक, जमील अहमद, हुसैन मोहम्मद फहद, शखावत खान, असीदुल इस्लाम, जैनुल इस्लाम, राजीव हुसैन, मोमिनुर इस्लाम, मेहंदी हसन, शाओन अहमद, मोहम्मद जमील और नूर अमीन शामिल हैं।

ये सभी व्यक्ति बांग्लादेश से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद पश्चिम बंगाल में छिप कर रह रहे थे। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने अदालत को अपनी जांच में बताया कि एक सुनियोजित साजिश के तहत मिथुन मंडल, विक्रम सिंह, महफूज और समीर मंडल उर्फ टोनी, मोहम्मद जमील सहित कुछ अन्य लोग बांग्लादेशी नागरिकों की भारत में घुसपैठ करा रहे थे। एटीएस ने खुलासा किया कि यह गिरोह एक संगठित सिंडिकेट के रूप में काम कर रहा था, जो बांग्लादेश और म्यांमार के नागरिकों को अवैध रूप से भारत में प्रवेश कराता था। इतना ही नहीं, यह गिरोह घुसपैठियों के लिए फर्जी भारतीय आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासपोर्ट तक बनवा रहा था। एटीएस ने अदालत को यह भी जानकारी दी कि कई बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं के लिए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनाए गए थे, और मानव तस्करी के माध्यम से उन्हें भारत से कई अन्य देशों में भी भेजा गया था। यह मामला मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क की ओर इशारा करता है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिकता कानूनों का उल्लंघन कर रहा था। इस गिरोह के सदस्यों को अक्टूबर 2021 में एटीएस ने देश के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई से भारत में अवैध घुसपैठ और मानव तस्करी से जुड़े आपराधिक सिंडिकेट पर कड़ी चोट पड़ी है। एनआईए कोर्ट का यह फैसला उन लोगों के लिए एक स्पष्ट संदेश है जो भारत की सीमाओं का उल्लंघन करने और अवैध गतिविधियों में शामिल होने की कोशिश करते हैं। यह फैसला अवैध घुसपैठ के खिलाफ भारत की सख्त नीति को दर्शाता है और भविष्य में ऐसे प्रयासों को रोकने में मदद करेगा। इस तरह की गतिविधियां न केवल देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों पर भी अनावश्यक बोझ डालती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत की संप्रभुता और सुरक्षा बनी रहे, इस तरह के मामलों में सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

केजरीवाल ने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प से मांगा लिखित आश्वासन

-ई20 पेट्रोल से गाडियों होंगी खराब तो कंपनियां करेंगी नुकसान की भरपाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को घोषणा की कि वे सरकारी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनियों को चिट्ठी लिखेंगे और ग्राहकों के लिए लिखित आश्वासन मांगेंगे। दरअसल, वे गाडियों में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल उपयोग करने पर आ रही शिकायतों को लेकर केंद्र सरकार से जवाब मांग कर रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि वे कंपनियों से लिखित रूप में आश्वासन चाहेंगे कि यदि उनकी गाडियों में ई20 (20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) का उपयोग किया जाए तो यदि माइलेज 10 फीसदी से अधिक गिरता है, तो क्या कंपनी ग्राहक को नुकसान की भरपाई करेगी? यदि गाड़ी का कोई भी पार्ट डैमेज होता है, तो कंपनी उसे मुफ्त में रिप्लेस करेगी? उन्होंने मारुति सुजुकी, टोयोटा किर्लोस्कर और हीरो मोटोकॉर्प जैसी कंपनियों का जिक्र किया और आरोप लगाया कि उनकी सार्वजनिक बातें और ओनर मैनुअल में दी गई चेतावनियां (जो अक्सर ई10 तक सीमित सिफारिश करती हैं) एक-दूसरे से मेल नहीं खातीं।

30 करोड़ वाहनों को खतरे में डाल रही सरकार

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बिना तैयारी के पूरे देश पर ई20 पेट्रोल थोप रही है, जिससे 30 करोड़ वाहन प्रभावित हो सकते हैं। केजरीवाल ने कहा कि कई ऑटो कंपनियों के ओनर मैनुअल में ई10 से अधिक एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल की अनुमति नहीं दी गई है, जबकि कंपनियां सरकार के दबाव में अलग बयान दे रही हैं। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर ई0, ई10 और ई20 तीनों विकल्प उपलब्ध कराए जाएं, जिससे उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार पेट्रोल चुन सकें।

सरकार जबरदस्ती ई20 पेट्रोल थोप रही है

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देशभर में ई20 पेट्रोल को लेकर लोगों की चिंताएं हैं, लेकिन केंद्र सरकार लगातार इसे लागू करने पर अड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार लोगों को समझाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है और ऑटो कंपनियों से भी ई20 के पक्ष में बयान दिलवा रही है। उन्होंने कहा कि 3 जुलाई को छह प्रमुख ऑटो कंपनियों को बुलाकर प्रेस कॉन्फ्रेंस कराई गई, जहां ई20 पेट्रोल को सुरक्षित बताया गया।

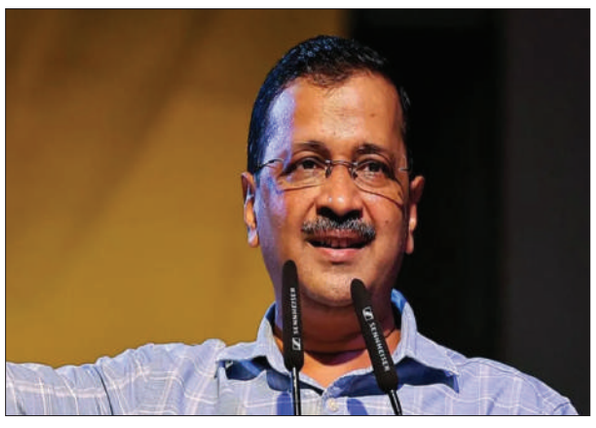

जुलाई में अब तक एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ डाले

- चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड रही

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने लगातार चार महीने तक बिकवाली करने के बाद जुलाई में भारतीय शेयरों में 15,157 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश किया है। यह बेहतर होते घरेलू आर्थिक संकेतकों, रुपये की स्थिरता और वैश्विक स्तर पर जोखिम लेने की बढ़ती धारणा का परिणाम है। जुलाई से पहले, एफपीआई ने मार्च से जून तक चार महीनों में भारतीय शेयरों से करोड़ों रुपये की बड़ी निकासी की थी, जिसमें मार्च में 1.17 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिकवाली भी शामिल थी। फिर भी चालू वर्ष में अब तक एफपीआई की कुल निकासी 2.60 लाख करोड़ रुपये रही है। विशेषज्ञों के अनुसार जुलाई में निवेश की यह वापसी वैश्विक जोखिम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति, भू-राजनीतिक तनाव घटने, ऊर्जा कीमतों की चिंता कम होने और भारत की मजबूत व्यापक आर्थिक स्थिति पर भरोसे का परिणाम है। घरेलू अर्थव्यवस्था में सुधार और रुपये की स्थिरता ने भी विदेशी निवेशकों को आकर्षित किया है। हालांकि, विश्लेषकों ने आगाह किया है कि जुलाई की यह वापसी उत्साहजनक है, फिर भी भविष्य का रुख वैश्विक परिस्थितियों और भारत की घरेलू आर्थिक वृद्धि की मजबूती पर निर्भर करेगा। इसी बीच, एफपीआई ने जुलाई में ऋण बाजार में भी पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के तहत 6,625 करोड़ रुपये तथा सामान्य मार्ग से 3,228 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ओसवाल ओवरसीज को दिवाला कार्यवाही से राहत, एनसीएलएटी ने वापसी की दी अनुमति

- कंपनी और वित्तीय ऋणदाता के बीच 2.80 करोड़ में हुआ समझौता

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने ओसवाल ओवरसीज लिमिटेड के खिलाफ शुरू की गई दिवाला कार्यवाही को वापस लेने की अनुमति दे दी है। यह फैसला कंपनी और उसके वित्तीय ऋणदाता एलएच शुगर फैक्टरीज के बीच हुए एक सौहार्दपूर्ण समझौते के बाद आया है, जिसके तहत ओसवाल ओवरसीज ने 2.80 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। एनसीएलएटी पीठ के समक्ष ओसवाल ओवरसीज और एलएच शुगर फैक्टरीज ने संयुक्त आवेदन दाखिल कर सौहार्दपूर्ण समझौते की जानकारी दी, जिसकी शर्तें भी प्रस्तुत की गईं। समझौते के तहत, ओसवाल ओवरसीज ने एलएच शुगर फैक्टरीज को 2.80 करोड़ रुपये का डिमांड ड्राफ्ट सौंप दिया है। ऋणदाता के वकील ने वित्तीय कर्ज के पूर्ण निपटान की पुष्टि की। पूर्व में एनसीएलएटी ने अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) को दिवाला समाधान प्रक्रिया में आगे बढ़ने से रोका था। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों ने बताया कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) की धारा 12ए के तहत औपचारिक वापसी के लिए राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष आवेदन आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि आईबीसी के हालिया संशोधनों के अनुसार, ऐसे आवेदन पर ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की मंजूरी आवश्यक है, जो सभी दावों के सत्यापन के बाद गठित होती है।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म सतलुज को अंतरराष्ट्रीय झटका, जी5 से हटाई गई

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)

पंजाबी गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ की बहुचर्चित फिल्म सतलुज को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। भारत में रिलीज़ न होने के बाद अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बड़ा झटका लगा है, क्योंकि इसे जी5 की इंटरनेशनल लाइब्रेरी से हटा दिया गया है। इस कदम से फिल्म के सर्टिफिकेशन और रिलीज़ को लेकर अनिश्चितता और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, भारत में भी इसे अभी तक रिलीज़ की मंजूरी नहीं मिली है। फिल्म का नाम पहले पंजाब 95 था और इसे 2022 में केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास भेजा गया था, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट अब तक नहीं मिला है। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने 1980 और 1990 के दशक में पंजाब में कथित अवैध दाह संस्कार और फर्जी मुठभेड़ों के मामलों को उजागर किया था। यही संवेदनशील विषय इस फिल्म के लंबे विवाद का मुख्य कारण है।

कंपनियों के नतीजे, भू-राजनीति और क्रूड की चाल पर रहेगी बाजार की नजर

निवेशक अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चे तेल की चाल पर रखेंगे पैनी नजर

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को लगातार दूसरे सत्र में जोरदार तेजी दिखाते हुए निवेशकों में उत्साह भरा। सेंसेक्स 828 अंक उछलकर 77,569 और निफ्टी 244 अंक बढ़कर 24,206 पर बंद हुआ। हालांकि, आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कई अहम चुनौतियों और अवसरों से भरा होगा, जहां घरेलू और वैश्विक दोनों तरह के फैक्टर बाजार की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल कई महत्वपूर्ण कारकों से प्रभावित होगी। सबसे पहले, जून तिमाही के नतीजों का सिलसिला जोर पकड़ेगा। लगभग 100 कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे पेश करेंगी। टीसीएस के बेहतर प्रदर्शन के बाद आईटी सेक्टर पर खास नजर रहेगी। एचसीएल टेक और` विप्रो के नतीजों के साथ उनकी भविष्य की गाइडेंस भी निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होगी, जो सेक्टर के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उम्मीद से बेहतर नतीजे बाजार को मजबूती दे सकते हैं, वहीं कमजोर गाइडेंस मुनाफावसूली को ट्रिगर कर सकती है। घरेलू कारकों के साथ-साथ भू-राजनीतिक घटनाक्रम भी बाजार पर असर डालेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है और हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद स्थिति संवेदनशील बनी हुई है। हालांकि, बातचीत जारी रहने की खबरों ने कुछ राहत दी है। तनाव में कमी आने से वैश्विक बाजारों का माहौल सुधरेगा, जबकि स्थिति बिगड़ने पर उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भी अहम भूमिका निभाएंगी। कच्चे तेल की नरमी महंगाई पर दबाव कम करती है। हालांकि, यदि अगले सप्ताह कीमतों में फिर से तेजी आती है, तो यह बाजार के लिए चिंता का विषय बन सकता है। निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार को दिशा देंगी। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने करीब 4,670 करोड़ रुपये और घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगभग 8,275 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह खरीदारी का रुख जारी रहता है, तो बाजार को अच्छा समर्थन मिलेगा। अंत में रुपये की चाल भी महत्वपूर्ण रहेगी।

शुक्रवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 9 पैसे मजबूत होकर 95.38 पर बंद हुआ, लेकिन पूरे सप्ताह दबाव में रहा था। डॉलर इंडेक्स और कच्चे तेल की कीमतों में बड़ा बदलाव रुपये को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर भी पड़ना तय है।

कुल मिलाकर यह सप्ताह कॉर्पोरेट नतीजों, भू-राजनीति और वैश्विक आर्थिक संकेतकों के बीच निवेशकों के लिए सतर्कता और अवसरों का संतुलन लेकर आएगा।

इंडियन बैंक का चालू वित्त वर्ष में 5,500 करोड़ के डूबे कर्ज की वसूली का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) के लिए 5,500 करोड़ रुपए के डूबे कर्ज (एनपीए) की वसूली और 2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा जमा जुटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। बैंक ने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार और जमा आधार को मजबूत करने के लिए इन प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। इंडियन बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही 1,885 करोड़ रुपए डूबे कर्ज की वसूली कर ली है। बैंक का पूरे वित्त वर्ष के लिए 4,500 से 5,500 करोड़ रुपए वसूली का लक्ष्य है, जिसमें राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) में लंबित मामलों से 500 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद है। बैंक 9 जुलाई तक 14 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा जमा (एफसीएनआर-बी) जुटा चुका है और सितंबर तक 2 अरब डालर का लक्ष्य लेकर आशान्वित है। फिलहाल, बैंक के पास लगभग .1 अरब की संभावित जमा पाइपलाइन में है। बैंक एफसीएनआर (बी) जमा पर 5.5 से 6.5 फीसदी तक आकर्षक ब्याज दरें दे रहा है, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दर की ऊपरी सीमा हटाए जाने के बाद संभव हुआ है। कम लागत वाली चालू एवं बचत खाते (कासा) जमा को बढ़ाने के प्रयासों के तहत, पहली तिमाही में इसमें 15.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। जून तिमाही के अंत तक कासा जमा बढ़कर 3.19 लाख करोड़ रुपए हो गई, जिससे कुल जमा में इसकी हिस्सेदारी 39.73 फीसदी तक पहुंच गई है। बैंक ने चालू वित्त वर्ष में कासा अनुपात को 40 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा है। इसके अतिरिक्त, बैंक ने जून तिमाही में 17 लाख निष्क्रिय खातों को सक्रिय कर 1,469 करोड़ रुपए की अतिरिक्त जमा जोड़ी है।

बाजार की नरमी में भी चार दिग्गजों का जलवा, 93 हजार करोड़ का उछाल

एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में मामूली गिरावट के बावजूद सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार ने विपरीत परिस्थितियों में भी मजबूत प्रदर्शन किया। इन चार कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 92,995.48 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ, जिसमें एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल ने सर्वाधिक लाभ कमाया। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई जब बीएसई का सेंसेक्स और एनएसई का निफ्टी दोनों ही हल्की गिरावट के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सबसे अधिक 35,808.09 करोड़ रुपये बढ़कर 12,69,454.42 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का मूल्यांकन 34,896.92 करोड़ रुपये बढ़कर 11,98,774.22 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को भी 16,065.50 करोड़ रुपये का फायदा हुआ, जिससे इसका मार्केट कैप 5,60,205.05 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 6,224.97 करोड़ रुपये बढ़कर 17,71,206.33 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जिसने पहले स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी। इसके विपरीत शीर्ष 10 में शामिल अन्य छह कंपनियों आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), टाटा कंसल्टेंसी

सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में कुल 49,294.13 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। इनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर को सर्वाधिक 12,088.65 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि एलएंडटी का मूल्यांकन 11,040.23 करोड़ रुपये घट गया। इस अवधि में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 194.52 अंक (0.25 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 63.95 अंक (0.26 प्रतिशत) की मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे। शीर्ष 10 कंपनियों की रैंकिंग में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई का स्थान रहा। यह आंकड़े बाजार में चुनिंदा बड़े खिलाड़ियों की मजबूती और निवेशकों के बदलते रुझान को दर्शाते हैं।

खाद्य तेलों में आया उछाल: विदेशी बाजारों की तेजी और घरेलू आवक में कमी बनी वजह

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) देश के तेल-तिलहन बाजारों में सभी प्रमुख तेल-तिलहनों के दामों में मजबूती दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों में तेजी का रुख, घरेलू मंडियों में आवक में कमी, रुपये की कमजोरी और बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कई कारकों ने मिलकर सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन तथा बिनौला तेल की कीमतों को ऊपर धकेला। बाजार जानकारों के अनुसार वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर सीधे घरेलू कीमतों पर दिखा। इसके साथ ही, भारतीय रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेलों की लागत बढ़ी। महत्वपूर्ण बात यह है कि आयातकों को होने वाला घाटा पहले के 3-4 प्रतिशत से घटकर अब 1-1.5 प्रतिशत रह गया है, जिससे आयातित तेलों के दाम में सुधार आया। घरेलू मोर्चे पर किसानों ने बेहतर मूल्य की उम्मीद में बाजार में अपनी उपज की आवक कम कर दी है। महाराष्ट्र के लातूर में सोयाबीन प्लांटों ने तो किसानों को आकर्षित करने के लिए खरीद मूल्य बढ़ाकर 7,750 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है, जिससे स्टॉक की होल्डिंग बढ़ रही है। सोयाबीन रिफाइंड, पाम-पामोलीन और मूंगफली जैसे तेलों की औद्योगिक मांग में भी वृद्धि देखी गई। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण मूंगफली तेल की मांग में विशेष उछाल आया, जिससे इसके दाम भी मजबूत हुए। कम आवक के कारण सरसों और बिनौला तेल की कीमतों में भी तेजी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 200 रुपये के सुधार के साथ 7,725-7,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 375 रुपये के सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 50-55 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,615-2,715 रुपये और 2,615-2,765 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 175-175 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 7,175-7,225 रुपये और 7,025-7,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 15,300 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 75 रुपये के सुधार के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सेल और इंडोनेशियन क्राकाटाउ स्टील स्टेनलेस स्टील जेवी पर सहमत

- 5-10 लाख टन क्षमता की परियोजना की संभावना, इंडोनेशिया के निकल भंडार का मिलेगा लाभ

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और इंडोनेशिया की पीटी क्राकाटाउ स्टील ने एक संयुक्त उद्यम (जेवी) स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का लक्ष्य इंडोनेशिया में 5 लाख से 10 लाख टन क्षमता की स्टेनलेस स्टील परियोजना की संभावनाओं को तलाशना है। यह प्रस्तावित जेवी स्टेनलेस स्टील स्लैब के विनिर्माण पर केंद्रित होगा। सूत्रों के अनुसार उत्पादन इंडोनेशिया में होगा, जहां दुनिया के सबसे बड़े निकल भंडार और सस्ती लागत का लाभ उठाया जा सकेगा। उत्पादित स्लैब की आपूर्ति सेल के आंध्र प्रदेश स्थित सलेम स्टील प्लांट को की जाएगी। सेल के एक अे धिकारी ने बुनियादी ढांचे और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील की बढ़ती मांग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ऐसे में विश्वसनीय कच्चे माल की उपलब्धता और रणनीतिक साझेदारियां अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं। यह कदम भारत की बढ़ती स्टेनलेस स्टील की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक होगा।

दिल्ली की ईवी नीति: दोपहिया बाजार के लिए बड़ी चुनौती, क्रिसिल का आकलन

- अप्रैल 2028 से पारंपरिक दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक का प्रस्ताव

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)

दिल्ली सरकार की हालिया घोषित इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति का मसौदा, जिसमें अप्रैल 2028 से पारंपरिक इंजन वाले दोपहिया वाहनों के नए पंजीकरण पर रोक लगाने का प्रस्ताव है, दोपहिया वाहन बाजार के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने यह आकलन किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी महज 7.3 प्रतिशत रही है, जो इस बड़े बदलाव को जटिल बना रहा है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक अे धिकारी ने बताया कि अप्रैल 2028 से केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण की अनिवार्यता उद्योग को इलेक्ट्रिक उत्पादों, उत्पादन क्षमता और वितरण नेटवर्क में निवेश तेज करने का स्पष्ट संकेत देती है। हालांकि, निकट भविष्य में आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) वाले मॉडल भी बाजार में प्रासंगिक बने रहेंगे। वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में 5.7 लाख दोपहिया वाहनों का पंजीकरण हुआ था, जिनमें ईवी की हिस्सेदारी बेहद कम थी। नीति के तहत पहले वर्ष इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपये तक का प्रोत्साहन देने का प्रस्ताव है, जिसे अगले दो साल में धीरे-धीरे कम किया जाएगा। जैसे-जैसे वित्तीय सहायता घटेगी, इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमत और स्वामित्व का कुल खर्च उपभोक्ताओं के निर्णय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निजी यात्री कारों के मामले में बदलाव अपेक्षाकृत धीमा रहने की संभावना है। नीति के मसौदे में निजी कारों के लिए केवल इलेक्ट्रिक वाहनों का अनिवार्य पंजीकरण नहीं किया गया है, बल्कि 30 लाख रुपये तक की शोरूम कीमत वाले ईवी पर पथकर और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से खरीद को बढ़ावा देने का प्रयास है। क्रिसिल के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में दिल्ली में पंजीकृत लगभग दो लाख चारपहिया वाहनों में से 39 प्रतिशत (लगभग 77,000) इलेक्ट्रिक वाहन थे।

अमेरिकी आयात शुल्क प्रस्ताव पर भारत सख्त, जबरन श्रम के आरोपों को बताया निराधार

वाणिज्य मंत्रालय ने एकतरफा कार्रवाई की बजाय बातचीत पर जोर दिया

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) अमेरिका द्वारा प्रस्तावित 12.5 प्रतिशत के अतिरिक्त आयात शुल्क (टैरिफ) पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है। अमेरिका ने कुछ देशों पर बंधुआ या जबरन श्रम से जुड़े उत्पादों के आयात पर रोक न लगाने का आरोप लगाया है, जिस पर भारत ने अपनी आपत्ति जताई। वाणिज्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि व्यापार से जुड़े किसी भी विवाद को एकतरफा कार्रवाई के बजाय आपसी बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) की जनसुनवाई में हिस्सा लेते हुए वाणिज्य विभाग के संयुक्त सचिव बृज मोहन मिश्रा ने इस प्रस्ताव पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने अमेरिका से धारा 301 के तहत की गई अपनी जांच और अतिरिक्त टैक्स लगाने के फैसले पर दोबारा विचार करने का आग्रह किया। भारत ने अमेरिकी दावों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि जबरन श्रम को खत्म करना भारत का एक संवैधानिक कर्तव्य है और देश अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन करता है। भारत ने यूएसटीआर की जांच रिपोर्ट के तौर-तरीकों पर भी सवाल उठाए। संयुक्त सचिव मिश्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट व्यापार अधिनियम की धारा 301(डी) के तहत आवश्यक कानूनी मानकों को पूरा नहीं करती। केवल कुछ चुनिंदा अर्थव्यवस्थाओं के केस स्टडीज और सामान्य व्यापारिक आंकड़ों के आधार पर यह मान लेना कि भारत में जबरन श्रम से जुड़ी चीजों के आयात पर प्रतिबंध नहीं है, पूरी तरह गलत है। रिपोर्ट में कुल 46 अर्थव्यवस्थाओं को बिना किसी पुख्ता सबूत के एक ही श्रेणी में डाल दिया गया है और ऐसा कोई जमीनी जुड़ाव या पक्का सबूत नहीं दिखाया गया है कि भारत की नीतियों से अमेरिकी उद्योगों को नुकसान हो रहा है। इस सुनवाई में भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव श्रेयंस गुप्ता ने एपेडा की तरफ से भारतीय चावल को इस अतिरिक्त टैक्स से बाहर रखने की मांग की। अमेरिकी रिपोर्ट में आरोप लगाया गया था कि भारत में कथित तौर पर जबरन आने वाले चावल के आयात से अमेरिकी बाजार प्रभावित हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत में चावल निर्यात के लिए कड़े नियम और पंजीकृत मिलें हैं, और इस आधार पर अमेरिकी जांच को तुरंत रद्द करने या भारतीय चावल को इससे पूरी तरह बाहर रखने की मांग की गई है।

बदल रहा एफएमसीजी सेक्टर का वर्कफोर्स- कहीं छंटनी, कहीं विस्तार

एचयूएल-डाबर ने घटाए स्थायी कर्मचारी, नेस्ले-मैरिको-टीसीपीएल ने किया विस्तार

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)

बीते वित्त वर्ष 2025-26 में देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों में कर्मचारियों की संख्या और वेतन वृद्धि को लेकर मिला-जुला रुख रहा। वार्षिक रिपोर्टों से पता चला है कि जहां कुछ कंपनियों ने अपने कार्यबल में कटौती की, वहीं कुछ ने विस्तार किया, साथ ही कर्मचारियों के औसत वेतन में वृद्धि भी कंपनी-दर-कंपनी उल्लेखनीय रूप से भिन्न रही।

हिंदुस्तान यूनिलीवर (एचयूएल) और डाबर इंडिया ने अपने स्थायी कर्मचारियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की। एचयूएल ने 700 से अधिक कर्मचारी घटाकर इसे 5,898 कर दिया, जबकि डाबर के स्थायी कर्मचारी 5,343 से घटकर 4,770 रह गए। वेतन वृद्धि की बात करें तो, एचयूएल में औसतन 6.08 प्रतिशत की सबसे कम वृद्धि हुई, वहीं डाबर ने 7.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। इसके विपरीत, नेस्ले इंडिया, मैरिको और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने अपने कार्यबल का विस्तार किया। टीसीपीएल ने कर्मचारियों की संख्या 4,079 से बढ़ाकर 4,558 की और 12.1 प्रतिशत की सर्वाधिक वेतन वृद्धि दी। मैरिको ने भी स्थायी कर्मचारियों की संख्या बढ़ाई, जबकि नेस्ले इंडिया में कुल कर्मचारी मामूली बढ़े और वेतन में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, कर्मचारियों की संख्या में कटौती का मुख्य कारण विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला और बैक-ऑफिस संचालन में बढ़ते स्वचालन (ऑटोमेशन) और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित उपकरणों का उपयोग है, जिससे कंपनियां कम कर्मचारियों के साथ अधिक दक्षता से कार्य कर पा रही हैं।

फेडुन फार्मा ने दिए निवेशकों को 2:1 बोनस शेयर और बंपर नतीजे

- रिकॉर्ड डेट 16 जुलाई तय, कंपनी का तिमाही मुनाफा 56 फीसदी उछला

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) प्रतिष्ठित कंपनी फेडुन फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने अपने निवेशकों को एक बड़ा तोहफा देते हुए 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह फैसला कंपनी के बेहतरीन वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में जबरदस्त बढ़ोतरी के बाद लिया गया है, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने बीते 25 मई को हुई बैठक में इस बोनस शेयर इश्यू की सिफारिश की थी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट और एक्स डेट 16 जुलाई तय की गई है। इस घोषणा के तहत, रिकॉर्ड डेट तक जिस भी निवेशक के पास कंपनी का एक पुराना इक्विटी शेयर होगा, उसे 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले दो नए बोनस शेयर मुफ्त में मिलेंगे।

यह सुविधा शेयरधारकों के साथ-साथ वारंट होल्डर्स पर भी लागू होगी, बशर्ते उन्हें शेयरधारकों की अंतिम मंजूरी मिल जाए। बोनस शेयर के ऐलान से पहले, कंपनी ने बीती तिमाही में शानदार वित्तीय नतीजे दर्ज किए हैं। सालाना आधार पर कंपनी का मुनाफा 56 प्रतिशत बढ़कर 11 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। वहीं, कुल आमदनी 27 फीसदी बढ़कर 213 करोड़ रुपये रही। इस सफलता के बाद, कंपनी ने निवेशकों को बोनस शेयर के अलावा 0.70 रुपये प्रति शेयर के लाभांश (डिविडेंड) की भी घोषणा की है, जिससे निवेशकों की खुशी दोगुनी हो गई है।

कितनी होती है समुद्री जहाज की स्पीड

जहाज के बारे में हम सभी जानते हैं। समुद्री जहाज सबसे बड़े परिवहन साधनों में से एक माना जाता है, जो एक देश से दूसरे देश समान आयात और निर्यात करते हैं। कई प्रकार के जहाज होते हैं। जिनमें क्रूज, युद्ध पोत या फिर वोट शामिल हैं। हर किसी का कार्य अलग-अलग होता है। यह उनकी स्पीड पर भी निर्भर करती है। यह देखने में काफी विशालकाय होती है। जिसके सामने जाने पर यह बिल्कुल पहाड़ जैसी लगती है। इसे देखकर लोगों के मन में तमाम तरह के प्रश्न भी उठते हैं। जिनमें एक यह भी प्रश्न है कि समुद्री जहाज की स्पीड कितनी होती है। यात्री जहाज हो या फिर माल वाहक जहाज हो या फिर वोट हो पानी में चलने वाले समुद्री जहाज की स्पीड जानकर कोई भी हैरान रह जाएगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आमतौर पर समुद्री जहाज की स्पीड 20 से लेकर 25 नॉट यानी 37 से 46.3 कम प्रति घंटे की होती है, जो कि इंजन की क्षमता पर निर्भर करती है। वहीं, यदि मॉडर्न जहाजों की बात की जाए तो इसकी स्पीड लगभग 30 नॉट यानी 55 किलोमीटर प्रति घंटे तक होती है।

क्या होता है नॉट?

अब मन में यह प्रश्न उठ रहा होगा कि नॉट क्या होता है। तो सबसे पहले हम आपको यह बता दें कि यह समुद्री गति मापने की एक इकाई है, जो कि 1.852 किलोमीटर प्रति घंटे के बराबर होती है। पानी की लहरों के कारण इसकी स्पीड कम हो जाती है। वहीं, जहाज की स्पीड को बढ़ाने से ईंधन की खपत भी बढ़ जाती है, इसलिए कई जहाज लीमिटेड स्पीड पर चलते हैं। इसके अलावा, समुद्र में आने वाले तूफान, तेज हवाएं और लहरों की दिशा से भी इसकी गति प्रभावित होती है।

इन पर होती है निर्भर

इनकी रफ्तार जहाज के आकार पर भी निर्भर करती है। लंबे और पतले जहाज तेज गति से चलती है, जबकि चौड़े और भारी जहाज धीमे गति से चलते हैं। साथ ही इंजन पर भी जहाजों की गति निर्भर करती है।

टेक्नोलॉजी ही नहीं इन चीज़ो के लिए भी फेमस है जापान

क्या आप जानते हैं जापान की कुछ ऐसी चीजें जिनको दुनिया भर में प्रसिद्धि मिली है? जापान के इन चीज़ो की कीमत सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। जापान न सिर्फ टेक्नोलॉजी के मामले में बल्कि और भी कई मामलों में दुनिया भर का आकर्षण का केंद्र है। आज हम आपको जापान की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जिनकी कीमत दुनिया के अन्य हिस्सों से कहीं ज्यादा है। बता दें कि जापान टेक्नोलॉजी के मामले में सबसे आगे माना जाता है। हालांकि, जापान न सिर्फ टेक्नोलॉजी बल्कि कुछ ऐसी चीजों के लिए भी जाना जाता है जिनकी कीमत दुनिया भर में सबसे ज्यादा है। आज हम जापान की कुछ ऐसी चीजों के बारे में बता रहे हैं जिनकी कीमत सुनकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। जापान में कुछ ऐसी चीजें पाई जाती हैं जिनकी कीमत दुनिया भर में सबसे ज्यादा होती है। इसीलिए जापान दुनिया भर में आकर्षण का केंद्र बना रहता है।

युबारी किंग मेलन

जापान में एक ऐसा फल पाया जाता है जिसकी कीमत सुनकर आपके होश उड़ जाएंगे। बता दें कि जापान में 'युबारी किंग मेलन' पाया जाता है। इसकी कीमत 27,000 डॉलर यानी लगभग 22 लाख रुपए होती है। दरअसल, यह एक जोड़ी की कीमत है। खास तौर पर यह खरबूजा युबारी क्षेत्र में उगाया जाता है। इसकी इतनी कीमत की वजह इसका आकार और लाजवाब मिठास है। अक्सर इन खरबूजों की नीलामी होती है।

ब्लूफिन टूना मछली

बता दें कि जापान की ब्लूफिन टूना मछली भी बेहद महंगी है। यह दुनिया की सबसे महंगी चीजों की लिस्ट में आती है। जापान की सबसे महंगी चीजों की लिस्ट में यह पहले नंबर पर है। साल 2019 में 278 किलोग्राम वजनी एक टूना मछली को 31 लाख डॉलर यानी करीब 23.5 करोड़ रुपए में बेचा गया था। इस मछली का इस्तेमाल जापान की सबसे महंगी डिश 'सुशी' और 'सशिमी' बनाने में किया जाता है। इसीलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा है।

इस लिस्ट में वसाबी का नाम

वहीं, इस लिस्ट में वसाबी का नाम भी आता है। यह जापान का सबसे खास व्यंजन है। बड़ी मात्रा में इसकी खेती की जाती है, हालांकि इसकी खेती के लिए खास तरह का क्लाइमेट और मिट्टी की जरूरत होती है। हर जगह इसे उगाया नहीं जा सकता। इसकी उपलब्धता बेहद कम है। इसके कारण इसकी कीमत हजारों रुपए में होती है। बता दें कि इसकी औसत कीमत 21,000 रुपए प्रति किलोग्राम के आसपास होती है।

1968 होंडा CB 750 मोटरसाइकिल

टेक्नोलॉजी के मामले में जापान हमेशा ही आगे रहा है। ऐसे में एक ऐसा प्रोडक्ट भी है जिसकी कीमत चौंका देती है। दरअसल, जापान में 1968 होंडा CB 750 मोटरसाइकिल की कीमत सुनकर आप दंग रह जाएंगे। इस मॉडल की नीलामी को जापान की सबसे महंगी बाइक में गिना जाता है। साल 1968 में होंडा द्वारा सिर्फ चार ही ऐसी बाइक बनाई गई थीं। हर एक बाइक को 1.45 करोड़ रुपए में नीलाम किया गया था। यह बाइक अब जापान की सबसे महंगी चीजों में शामिल है।

जापान की व्हिस्की

बता दें कि जापान की व्हिस्की भी बेहद प्रसिद्ध है। जापान के 'यामाज़ाकी' और 'हिबिकी' जैसे प्रमुख व्हिस्की ब्रांड सबसे पुराने और लिमिटेड एडिशन के लिए जाने जाते हैं। इन एडिशन्स की नीलामी बेहद महंगी होती है। बता दें कि जापान में इन व्हिस्की की कीमत लगभग 50 लाख रुपए प्रति बोतल तक पहुंच जाती है। इस व्हिस्की की कीमत की वजह दुनिया भर में बढ़ती मांग और इसकी बेहतरीन क्वालिटी है।

कुदरत का करिश्मा, जहां जुड़ती हैं नदियां लेकिन नहीं होतीं एक!

पृथ्वी में एक से बढ़कर एक चीज पाई जाती हैं, जिसकी सुंदरता काफी अलग होती है। धरती पर जीव-जंतु, पशु-पक्षी, मनुष्य के अलावा सागर और नदी भी है। भारत की बात करें, तो यहां नदियों को देवी का दर्जा दिया गया है। लोग इन्हें मां कहकर पुकारते हैं। भारत में बहने वाली सभी नदियों को पवित्र माना जाता है। सनातन धर्म में नदियों में डुबकी लगाना पुण्य का कार्य मानते हैं। वहीं, नदी के किनारे तट पर सुबह और शाम आरती भी की जाती है। जिसे देखने के लिए दूर-दराज से लोग पहुंचते हैं। इससे लोगों की आस्था जुडी हुई है। सनातन धर्म में नदियों को लेकर बहुत सारे महत्व बताए गए हैं। हर नदी की अपनी अलग-अलग कथा है। इन सभी नदियों का एक उद्गम स्थल भी होता है और बहुत सारे जगह ऐसे भी है, जहां नदियों का संगम भी होता है।

पृथ्वी का इकलौता संगम

आज हम आपको उस संगम के बारे में बताएंगे, जहां दो नदियों का पानी कभी भी मिलता नहीं है। इसके पीछे वैज्ञानिक वजह भी शामिल है। यह प्राकृतिक कि वह खूबसूरत घटना है, जो आपको आश्चर्यचकित कर देगी। यह पृथ्वी का इकलौता संगम माना गया है।

अरागवी नदी

दरअसल, इस नदी का नाम अरागवी नदी है, जो कि जॉर्जिया में स्थित है। यह एक ऐसा अनोखा संगम है, जहां एक नदी की धारा सफेद है, तो दूसरी नदी की धारा मटमैली है। यहां दो नदियां आपस में मिलती जरूर है, लेकिन उनका पानी मिक्स नहीं होता। कुदरत का यह नजारा देखने के लिए यहां हजारों की संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

वैज्ञानिक तर्क

वैज्ञानिकों के अनुसार, दोनों नदियों के पानी का घनत्व और तापमान अलग-अलग है। जिस कारण अपनी एक दूसरे से नहीं मिलता और यह बिल्कुल अलग दिखाई देता है। Tetri अरागवी जिसका पानी सफेद होता है, वह गुडौरी से नीचे पासनौरी शहर तक बहती है। यहां यह Shavi अरागवी से मिलती है। जिसका पानी मटमैला होता है। Shavi अरागवी उत्तर पूर्व में गोदामकरी की मुख्य नदी है।

मध्य प्रदेश का भूतिया अटेर फोर्ट

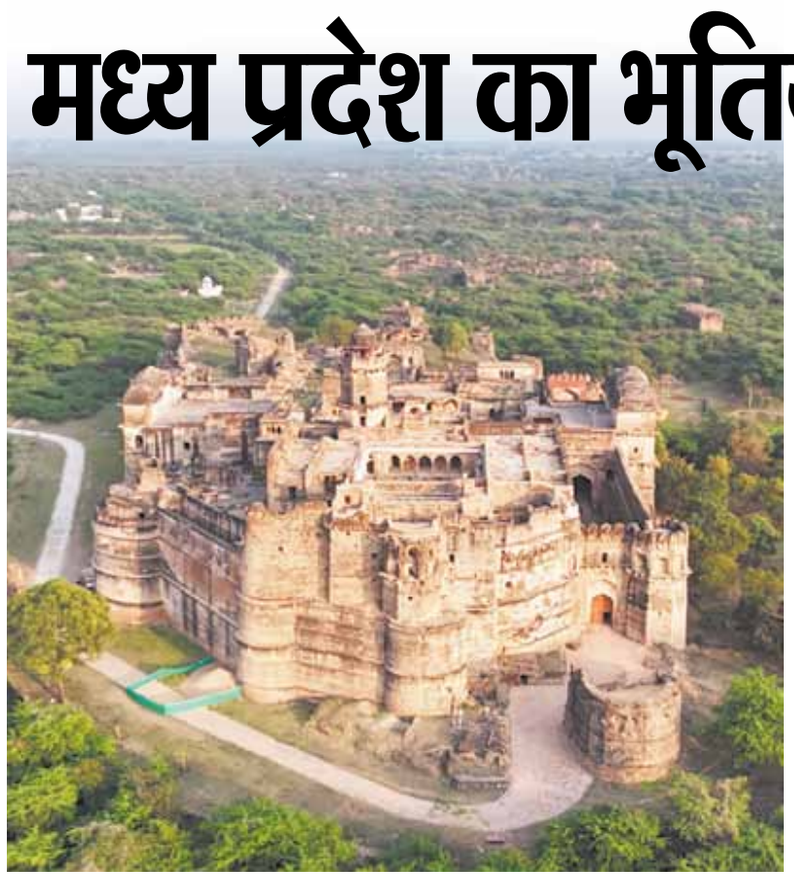

मध्य प्रदेश के भिंड में बना अटेर फोर्ट अपनी मिस्ट्री के लिए फेमस है। इसका एक दरवाजा, जिसे लोग डरावना मानते हैं, सदियों से रहस्यमयी बना हुआ है। भिंड जिले में चंबल नदी के किनारे एक हिलटॉप पर बना यह स्ट्रक्चर 1664 से 1668 के बीच भदौरिया रूलर्स बादन सिंह, महा सिंह, और बखत सिंह ने तैयार किया था। पहले इसे बधवार नाम दिया गया, जो भदौरिया रूलर्स से प्रेरित था। यह जगह स्ट्रैटेजिकली इम्पॉर्टेंट थी, क्योंकि हिलटॉप लोकेशन ने इसे डिफेंस के लिए परफेक्ट बनाया। इस जगह का जिक्र महाभारत में भी है, जहां इसे देवगिरि पहाड़ी कहा गया। फोर्ट की दीवारों पर पुराने वॉर स्ट्रैटेजी के निशान आज भी देखे जा सकते हैं। यह साइट ग्वालियर से 100 किलोमीटर नॉर्थ-ईस्ट में है और घाटी के टूरिस्ट्स के लिए अट्रैक्शन है। इसका मेन एंट्रेंस, जिसे लोग एक खास नाम से बुलाते हैं, कई जंगों का गवाह रहा है।

रहस्यमयी दरवाजा और उसकी डार्क हिस्ट्री

इस स्ट्रक्चर का सबसे बड़ा रहस्य इसका मेन एंट्रेंस है, जिसे लोग एक डरावने नाम से जानते हैं। इतिहासकार बताते हैं कि जंगों के दौरान इस एंट्रेंस पर बहुत खून बहा,

सदियों से रहस्यमयी बना हुआ है लाल रंग का एक रहस्यमयी दरवाजा

जिसके बाद इसका नाम ऐसा पड़ा। स्थानीय लोगो के मुताबिक, इस जगह पर अजीब आवाजें सुनाई देती हैं, जो इसे और भी डरावना बनाती हैं। यह एंट्रेंस दुश्मनों को रोकने के लिए डिजाइन किया गया था। बीहड़ों में होने की वजह से यह साइट डाकुओं का ठिकाना भी बन चुकी है। अंदर पुराने हथियार, तोपें, और वॉर आर्टिफैक्ट्स मौजूद हैं, जो उस टाइम की मिलिट्री स्ट्रेंथ दिखाते हैं। टूरिस्ट्स यहाँ की हिस्ट्री से अट्रैक्ट होते हैं और नदी का पैनोरमिक व्यू भी देखने लायक है।

इस साइट तक पहुंचने के लिए ग्वालियर सबसे अच्छा ऑप्शन है, जो 100 किलोमीटर दूर है। ग्वालियर एयरपोर्ट दिल्ली, मुंबई, और कोलकाता से कनेक्टेड है, जिससे फ्लाइट से पहुंचना आसान है। ट्रेन से भिंड रेलवे स्टेशन नजदीक है, जो ग्वालियर-आगरा रूट पर पड़ता है। साउथ या सेंट्रल इंडिया से दिल्ली जाने वाली ज्यादातर ट्रेनें यहाँ रुकती हैं, बस स्टॉपेज चेक करना होगा। रोड से भी यह जगह आसानी से पहुंची जा सकती है। आसपास चंबल घारियाल सैंक्चुरी है, जहां बर्डवॉचिंग और वाइल्डलाइफ एक्सपीरियंस मिलता है। नेशनल सैंक्चुरी में घड़ियाल और रेड-क्राउन्ड टर्टल जैसे एंडेंजर्ड स्पीशीज देखे जा सकते हैं। बटेश्वर टेम्पल्स, जो यमुना नदी के किनारे हैं, अपनी कार्विंग्स के लिए फेमस हैं।

ज्योतिष और वेदों के अनुसार चंद्र को मन का कारक कहा गया है

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।

उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुई। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया। स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अतः यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

बिहार के बक्सर में स्थित देवी मंदिर, यहां मूर्तियां करती हैं आपस में बात

कहते हैं कि पत्थर में भी जान होती है। निश्चित ही मूर्ति एक पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है।

ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है।

दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट है। कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

दान करने से सभी तरह के दोष मिट जाते हैं

दानम् एकम् पदम् यशः पुण्यं (दान का प्रमुख लक्ष्य यश-पुण्य है)। हिन्दू धर्म में 10 कर्तव्यों को बताया गया है- 1. ईश्वर प्राणिधान, 2.संध्या वंदन, 3.श्रावण माह व्रत, 4. तीर्थ चार धाम, 5दान, 6.मकर संक्रांति-कुंभ पर्व, 7.पंच यज्ञ, 8.सेवा कार्य, 9.16 संस्कार और 10.धर्म प्रचार। यहां हम जानते हैं दान के प्रकार, महत्व और मुहूर्त को।

दान के प्रकार

- वेदों में तीन प्रकार के दाता कहे गए हैं- 1. उक्तम, 2मध्यम और 3निकृष्ट। धर्म की उन्नति रूप सत्यविद्या के लिए जो देता है वह उत्तम। कीर्ति या स्वार्थ के लिए जो देता है तो वह मध्यम और जो वेश्यागमनादि, भांड, भाटे, पंडे को निष्प्रयोजन जो देता वह निकृष्ट माना गया है।
- पुराणों में अनेकों दानों का उल्लेख मिलता है। जैसे गौ दान, छाता दान, जुते-चप्पल दान, पलंग दान, कंबल दान, सिरहाना दान, दर्पण कंघा दान, टोपी दान, औषध दान, भूमिदान, भवन दान, धान्य दान, तिलदान, वस्त्र दान, स्वर्ण दान, घृत दान, लवण दान, गुड़ दान, रजन दान, अन्नदान, विद्यादान, अभयदान और धनदान। इनमें से मुख्य है- 1अन्न दान, 2वस्त्र दान, 3औषध दान, 4ज्ञान दान एवं 5अभयदान।
- कुछ दान ऐसे भी होते हैं जो किसी व्यक्ति विशेष को नहीं दिए जाते हैं। जैसे दीपदान, छायादान, श्रमदान आदि।
- मुख्यतः दान दो प्रकार के होते हैं- एक माया के निमित्त किया गया दान और दूसरा भगवान के निमित्त किया गया दान। पहले दान में स्वार्थ होता है और दूसरे दान में भक्ति।

दान का महत्व

- वेद और पुराणों में दान के महत्व का वर्णन किया गया है। दान से इंद्रिय भोगों के प्रति आसक्ति छूटती है। मन की ग्रंथियां खुलती हैं जिससे मृत्युकाल में लाभ मिलता है। मृत्यु आए इससे पूर्व सारी गांठे खोलना जरूरी है, जो जीवन की आपाधापी के चलते बंध गई है। दान सबसे सरल और उत्तम उपाय है।
- किसी भी वस्तु का दान करते रहने से विचार और मन में खुलापन आता है। आसक्ति (मोह) कमजोर पड़ती है, जो शरीर छुटने या मुक्त होने में जरूरी भूमिका निभाती है। हर तरह के लगाव और भाव को छोड़ने की शुरुआत दान और क्षमा से ही होती है। दानशील व्यक्ति से किसी भी प्रकार का रोग या शोक भी नहीं चिपकता है। बुढ़ापे में मृत्यु सरल हो, वैराग्य हो इसका यह श्रेष्ठ उपाय है और इसे पुण्य भी माना गया है।
- दान देना एक पुण्य कर्म है। माना जाता है कि दान करने से मनुष्य का इस लोक के बाद परलोक में भी कल्याण होता है। दान देने से मनुष्य को सद्गति मिलती है।
- दान करने से जीवन की तमाम परेशानियों का अंत खुद-ब-खुद होने लगता है। दान करने से कर्म सुधरते हैं और अगर कर्म सुधर जाएं तो भाग्य संवरते देर नहीं लगती है।
- हमारे शास्त्रों में ऋषि दधीचि का वर्णन है जिन्होंने अपनी हड्डियां तक दान में दे दी थीं, कर्ण का वर्णन है जिसने अपने अंतिम समय में भी अपना स्वर्ण दंत याचक को दान दे दिया था।
- दान एक हाथ से देने पर अनेक हाथों से लौटकर हमारे ही पास वापस आता। बस, शर्त यह है कि दान निःस्वार्थ भाव से श्रद्धापूर्वक समाज की भलाई के लिए किया जाए।
- दान करने से सभी तरह के दैहिक, मानसिक और आत्मिक ताप मिट जाते हैं।
- दान करने से ग्रहदोष, नक्षत्रदोष, पितृदोष, मंगलदोष, कालसर्पदोष आदि सभी तरह के दोष मिट जाते हैं।
- जरूरतमंद व्यक्ति को दान देने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।
- दान करने से घर परिवार में किसी भी प्रकार का संकट नहीं आता है और सुख समृद्धि बनी रहती है।

दान देने का समय और मुहूर्त

- यदि कोई याचक आपके द्वार पर आए तो दान दें।
- यदि कोई अतिथि आपके घर आए तो उसे दान दें।
- यदि मंदिर में जाएं तो दान दें।
- यदि किसी तीर्थ क्षेत्र में जाएं तो दान दें।
- यदि कोई श्राद्ध कर्म करें तो दान दें।
- यदि कोई संक्रांति पर्व हो तो दान दें।
- यदि परिवार में किसी को धन, वस्तु या अन्न की आवश्यकता हो तो दान दें।
- यदि देश, समाज और धर्म पर किसी भी प्रकार का संकट आया हो तो दान दें।
- विद्यालय, चिकित्सालय, गौशाला, आश्रम, मंदिर, तीर्थ और धर्म के निमित्त दान दें।
- सभी पर्वों और तीर्थों में दान करने के शुभ मुहूर्त होते हैं। उन्हें जानकर ही दान दें।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए, किसे नहीं

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

अभिनेता यश और कियारा की टॉक्सिक का पहला गाना जारी

अभिनेता यश और कियारा आडवाणी की अपकमिंग फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का पहला गाना तबाही खामोशी से शुरू होता है, और शायद यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। विशाल मिश्रा की आवाज़ और धुन इस इमोशनल खामोशी को और गहरा बना देती है, जहां हर नज़र, हर ठहराव अपने आप में एक अनकही कहानी बन जाता है। इस गाने में यश और कियारा की केमिस्ट्री दर्शकों के दिलों को छू रही है, जहाँ उनके बीच का अजीब सा खिंचाव और अनकहा प्यार पर्दे पर जीवंत हो उठता है। पूरे म्यूज़िक वीडियो में यश और कियारा के बीच एक गहरा और रहस्यमय खिंचाव महसूस होता है। उनकी हर नज़र में तड़प है, और हर खामोशी किसी लंबी बातचीत से भी ज़्यादा भारी लगती है। यहां बड़े-बड़े इज़हार नहीं हैं, बल्कि दिल को चुपचाप दबाकर रखने की एक मार्मिक कोशिश है, और यही इसे और ज़्यादा असरदार बना देता है।

यह गाना उन भावनाओं को दर्शाता है जिन्हें व्यक्त करना मुश्किल होता है, लेकिन जो आंखों और इशारों में साफ झलकती हैं। तबाही कोई सामान्य रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह एक गहरी, उलझी हुई और अंतर्निहित प्रेम कहानी का परिचय देता है, जहाँ किरदार अपने जज़्बातों से जूझते नजर आते हैं। वीडियो का एक बेहद खास पल तब आता है, जब तारा सुतारिया का किरदार रेबेका, राया (यश) से पूछता है, "क्या तुम खुद के अलावा किसी और से प्यार नहीं कर सकते?" और राया बिना रुके जवाब देता है, "बिलकुल नहीं।" ऊपर से ये जवाब बहुत पक्का लगता है, जैसे उसे यकीन हो कि उसके दिल में किसी के लिए जगह ही नहीं है। लेकिन अगले ही पल ये यकीन खुद ब खुद टूटने लगता है।

कैमरा जैसे ही राया को कियारा की तरफ देखते हुए दिखाता है, शब्द बेकार हो जाते हैं। उसकी आंखें वह सब कुछ बयां कर देती हैं, जो वो खुद से भी छुपा रहा है। वो तड़प, वो झिझक, वो छुपी हुई नर्मी – ये सब मिलकर एक ऐसे इंसान की कहानी बताते हैं, जो अपने ही जज़्बातों से भाग रहा है, लेकिन उनसे बच नहीं पा रहा। यही अंदरूनी टकराव तबाही को इतना यादगार बनाता है। यह प्यार की वो कहानी नहीं है, जो खुलेआम कबूल की जाती है; ये वो प्यार है जिसे नकारा जाता है, दबाया जाता है, लेकिन फिर भी जो हर हाल में रास्ता निकाल ही लेता है। और शायद यही तबाही को बाकी सब से अलग बनाता है। यहां प्यार कोई नरम एहसास नहीं, बल्कि एक ऐसी ताकत है जो हर फैसले, हर ठहराव और हर नज़र के पीछे चुपचाप अपना असर छोड़ जाती है।

सना की पहली फिल्म प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का ड्राफ्ट तैयार

बतौर फिल्म निर्माता अ पनी पहली फीचर फिल्म प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट पूरा होने पर बॉलीवुड अभिनेत्री सना सईद ने खुशी जताई है। सना सईद बियॉन्ड मैजिक स्टूडियोज के तहत इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं, और दिलचस्प बात यह है कि वह इस फिल्म में एक्टिंग भी करेंगी, जिससे यह उनके लिए एक दोहरी चुनौती और अवसर बन जाता है।

एक अभिनेत्री से निर्माता बनने का उनका यह सफर उनकी रचनात्मकता और उद्यमिता को दर्शाता है। सोशल मीडिया पर अपडेट शेयर करते हुए सना ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि हाथ में स्क्रिप्ट पकड़ने से उन्हें फिल्म बनाने का अपना सपना आखिरकार बहुत असली लगा। वीडियो में उन्होंने कहा, मेरे हाथ में एक फीचर फिल्म के प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट है, जिसे हम मेरी प्रोडक्शन कंपनी, बियॉन्ड मैजिक स्टूडियो के तहत बनाने जा रहे हैं। यह फिल्म बनाने की दिशा में मेरा पहला कदम है और यह बस शुरुआत है। उनके चेहरे पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। उन्होंने आगे कहा, फिल्म बनाना बहुत मेहनत का काम है और इसमें बहुत कुछ शामिल है जिसे मैं अभी सीख और समझ रही हूं लेकिन हाथ में यह पहला ड्राफ्ट होना बहुत एक्साइटिंग है। यह स्वीकारोक्ति दर्शाती है कि वह इस नए सफर को सीखने और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। सना ने हमेशा अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी गहरी रुचि रखी है। उन्होंने कहा, मुझे एक्टिंग पसंद है, लेकिन मुझे फिल्म बनाना भी हमेशा से पसंद रहा है। मैं हमेशा से इसका अंदर से हिस्सा बनना चाहती थी। और इसे हाथ में पकड़ना बहुत असली लगता है। यह बहुत असली लगता है। उनकी यह भावना उनके लंबे समय से पोषित सपने के सच होने की खुशी को बयां करती है। सना ने अपने कैप्शन में लिखा, जिस चीज पर मैं कुछ समय से चुपचाप काम कर रही थी, वह आज सच हो गई। मुझे एक फीचर फिल्म के लिए अपने प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट का पहला ड्राफ्ट मिला। एक स्क्रिप्ट। एक असली स्क्रिप्ट। एक ऐसी फिल्म के लिए जिसमें मैं एक्टिंग करूंगी, जिसे हम सब मिलकर शुरू से बना रहे हैं। असली स्क्रिप्ट पर उनका जोर इस प्रक्रिया की ठोस वास्तविकता को दर्शाता है। उन्होंने आगे लिखा, जिस चीज का मैंने सपना देखा था, उसे हाथ में पकड़ने पर कैसा महसूस होता है, इसके लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। इसलिए मैंने बस अपने फोन पर बात की। कल पार्ट 2 आएगा, जिसमें असली कहानी होगी कि यहां तक पहुंचने के लिए मुझे कितनी बार शुरुआत से सब कुछ शुरू करना पड़ा।

राजेश शर्मा का मेडिकल स्टेटमेंट डिलीट
कीड़े के काटने वाली घटना पर फिल्म बॉडी ने की जांच की डिमांड

अभिनेता राजेश शर्मा, जो प्रभास की फिल्म फौजी की शूटिंग के दौरान हैदराबाद में एक जहरीले कीड़े या मकड़ी के काटने के बाद अस्पताल में भर्ती हैं, उनकी हालत अभी भी खतरे से बाहर नहीं बताई जा रही है। इस घटना से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए अभिनेत्री सुदीपा चटर्जी द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया मेडिकल स्टेटमेंट 24 घंटे के भीतर ही हटा दिया गया, जिसके बाद ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने इस मामले में उच्च-स्तरीय जांच की मांग की है। फैंस उनके जल्द ठीक होने की प्रार्थना कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, फिल्म की शूटिंग हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में चल रही थी। यह इलाका घने पेड़-पौधे वाला है। इसी दौरान, किसी जहरीले कीड़े या फिर मकड़ी ने राजेश शर्मा के पैर में काट लिया। राजेश को यह समझ तो आ गया था, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग पूरी की। बाद में वह कोलकाता गए और वहां उनकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सुदीपा चटर्जी ने इस पूरी घटना की जानकारी सोशल

मीडिया पर शेयर की थी, लेकिन बाद में उस पोस्ट को हटा दिया गया। ऑल इंडियन सिने वर्कर्स एसोसिएशन (एआईसीडब्ल्यूए) ने इस मामले की हाई-लेवल जांच की मांग की है। एसोसिएशन ने अपने बयान में एक्टर के अस्पताल में भर्ती करवाए जाने पर गंभीर चिंता जताई है। बयान में कहा गया, एक्टर राजेश शर्मा की तबीयत शूटिंग शेड्यूल के दौरान बहुत बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें कोलकाता के एक प्राइवेट अस्पताल में एडमिट करवाया गया। ऐसी गंभीर मेडिकल इमरजेंसी किस हालत में हुई, अभी यह साफ नहीं हो सका है। इस मामले की तुरंत ट्रांसपेरेंट जांच की जानी चाहिए। बयान में आगे यह भी बताया गया है कि एक्टर अभी भी मेडिकल निगरानी में हैं और खतरे से बाहर नहीं हैं। एसोसिएशन ने कहा, ताजा मेडिकल अपडेट को देखते हुए घटना की गंभीरता और चिंताजनक हो गई है।

भाई, आपकी आवाज इतनी रोमांटिक कैसे लगती है?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर संगीतकार ए.आर. रहमान ने पोस्ट शेयर कर सोनू निगम के साथ फिर से काम करने पर खुशी जताई। साथ ही उनकी मधुर आवाज की जमकर तारीफ भी की। रहमान ने लिखा, फिल्म बंटवारा 1947 के गीत ओह तबस्सुम की रिकॉर्डिंग के लिए हमारे स्टूडियो में सोनू निगम का फिर से स्वागत करके बेहद खुशी हो रही है। गीत जावेद अख्तर ने लिखा है। फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं और इसका निर्माण आमिर खान प्रोडक्शंस कर रहा है। रहमान ने अपने पोस्ट में सोनू निगम से मजाकिया लहजे में पूछा, भाई आपकी आवाज इतनी रोमांटिक कैसे लगती है? यह सवाल खुद एक ऐसे संगीतकार की ओर से आया है, जिनकी पहचान खुद संगीत में नवीनता और भावनाओं को पिरोने की रही है, जो सोनू निगम की गायकी की विशिष्टता को दर्शाता है। फिल्म बंटवारा 1947 के बारे में अभी ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह स्पष्ट हो गया है कि यह एक बड़ी और महत्वपूर्ण परियोजना है। इस फिल्म में सनी देओल, प्रीति जिंटा, अली फजल और शबाना आजमी जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे, जिससे इसकी उम्मीदें और बढ़ जाती हैं। पहले इस फिल्म का नाम लाहौर 1947 था, जिसे बाद में बदलकर बंटवारा 1947 किया गया। यह फिल्म सनी देओल और राजकुमार संतोषी के बीच एक और सहयोग को भी चिह्नित करती है, जिन्होंने पहले घायल और दामिनी जैसी बॉक्स ऑफिस पर सफल और समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्मों में साथ काम किया है। इन फिल्मों ने भारतीय सिनेमा में अपनी एक खास जगह बनाई है और उनके नए सहयोग से भी कुछ ऐसा ही शानदार करने की उम्मीद की जा रही है। कहा जा रहा है कि फिल्म की कहानी असगर वजाहत के मशहूर नाटक जिस लाहौर नई देख्या, ओ जम्याई नई पर आधारित है।

आलोक नाथ ने कभी रोमांटिक भूमिकाएं भी निभाई थीं फिल्मों में

बॉलीवुड की फिल्मों में आदर्श पिता, संस्कारी परिवार प्रमुख और स्नेहिल बाबूजी की बात होती है, तो अभिनेता आलोक नाथ का नाम सबसे पहले याद आता है। मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..! और विवाह जैसी सुपरहिट फिल्मों में निभाई गई उनकी पिता की भूमिकाओं ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया। बड़े पर्दे और टेलीविजन पर उन्होंने ऐसे अनेक किरदार निभाए, जिन्होंने उन्हें भारतीय परिवारों का चहेता कलाकार बना दिया। हालांकि बहुत कम लोग जानते हैं कि अपने अभिनय करियर के शुरुआती दौर में आलोक नाथ ने रोमांटिक भूमिकाएं भी निभाई थीं और उनकी स्क्रीन इमेज आज की तुलना में बिल्कुल अलग थी। आलोक नाथ का जन्म 10 जुलाई 1956 को दिल्ली में हुआ था। उनके पिता चिकित्सक थे, जबकि उनकी मां गृहिणी थीं। परिवार की इच्छा थी कि वह भी डॉक्टर बनें, लेकिन उनकी रुचि अभिनय की ओर बढ़ती चली गई। पढ़ाई के दौरान ही उनका झुकाव रंगमंच की तरफ हुआ और वह रुचिका थिएटर ग्रुप से जुड़ गए।

अभिनय के प्रति बढ़ते लगाव ने उन्हें आगे चलकर नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा तक पहुंचाया, जहां उन्होंने तीन वर्षों तक अभिनय की बारीकियों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बताया जाता है कि वर्ष 1980 में फिल्म गांधी के लिए नए कलाकारों की तलाश के दौरान कास्टिंग डायरेक्टर डॉली ठाकुर ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा का रुख किया। कई कलाकारों के ऑडिशन लेने के बाद उन्होंने आलोक नाथ का चयन किया। इस फिल्म के लिए उन्हें करीब 20 हजार रुपये का पारिश्रमिक मिला और यहीं से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। हालांकि पहली फिल्म के बाद सफलता का रास्ता आसान नहीं था। गांधी के बाद वह मुंबई पहुंचे, लेकिन दूसरी फिल्म मिलने में उन्हें करीब पांच वर्ष तक संघर्ष करना पड़ा। इस दौरान उन्होंने थिएटर से अपना जुड़ाव बनाए रखा। इसी संघर्ष के बीच उन्हें फिल्म मशाल में एक छोटा-सा किरदार निभाने का अवसर मिला। इसके बाद धीरे-धीरे फिल्म उद्योग में उनके लिए नए रास्ते खुलने लगे। साल 1987 में प्रदर्शित फिल्म कामाग्नि में आलोक नाथ ने अपनी पारंपरिक छवि से बिल्कुल अलग रोमांटिक भूमिका निभाई। इस फिल्म में वह अभिनेत्री टीना मुनीम, जिन्हें अब टीना अंबानी के नाम से जाना जाता है, के साथ दिखाई दिए। फिल्म के कुछ रोमांटिक और बोल्ड दृश्यों की उस समय काफी चर्चा हुई थी। बाद के वर्षों में उन्होंने अपनी अभिनय शैली और व्यक्तित्व के अनुरूप पारिवारिक फिल्मों का रुख किया और दर्शकों के बीच एक भरोसेमंद पिता की पहचान बना ली। वर्ष 1988 में आई फिल्म कयामत से कयामत तक के बाद उनकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी। इसके बाद उन्होंने लगातार ऐसी भूमिकाएं निभाईं, जिनमें परिवार के मुखिया, पिता या बड़े भाई का सशक्त किरदार होता था। अपने लंबे अभिनय करियर में आलोक नाथ करीब 140 फिल्मों और 15 से अधिक टेलीविजन धारावाहिकों में काम कर चुके हैं। उनकी अधिकांश भूमिकाओं ने उन्हें बाबजी की स्थायी पहचान दिलाई।

जावेद जाफरी का दावा : ग्रुपिज्म और पीआर की कमी से नहीं बन पाया ए-लिस्ट स्टार, सलमान खान के साथ भी ऐसा हुआ

अपने करियर की शुरुआत 1980 में करने वाले अभिनेता जावेद जाफरी, जो एक अच्छे एक्टर, कॉमेडियन और शानदार डांसर के रूप में जाने जाते थे, ने हाल ही में खुलासा किया है कि क्यों वह कभी ए-लिस्ट स्टार की श्रेणी में नहीं आ पाए। जावेद ने दावा किया है कि वह इसलिए सफल नहीं हो पाए क्योंकि वह इंडस्ट्री में ग्रुपिज्म का हिस्सा नहीं बन सके और उनकी पीआर टैक्टिस भी अच्छी नहीं थी। स्क्रीन से बात करते हुए, जावेद जाफरी से पूछा गया कि 1990 के दशक में वह कभी ए-लिस्ट स्टार क्यों नहीं बन पाए। इस पर अभिनेता ने कहा, मुझे लगता है कि यह निर्भर करता है कि आपको कैसे पैक किया जाता है। इसमें पीआर भी शामिल होता है क्योंकि इंडस्ट्री का अपना एक अलग वेब है। कई बार ऐसा

समय आता है कि आपके बारे में नेगेटिव चीजें बाहर की जाती हैं, तो या तो आपको रियलिटी चेक मिलता है या फिर आपके बारे में पॉजिटिव चीजें बाहर आती हैं।

जावेद ने आगे कहा, मैं ये सब करने में फेल हो गया। मैं किसी ग्रुप का हिस्सा नहीं था। इसके अलावा, अगर आपकी एक हिट होती है और कोई आपसे बहस नहीं करता, तो सफलता के अलावा कोई कुछ नहीं बोल सकता। उन्होंने इस संदर्भ में सलमान खान का उदाहरण दिया। जावेद ने कहा, जैसा सलमान खान के साथ हुआ था। वह बीवी हो तो ऐसी के साथ आए और लोगों ने उनके बारे में अच्छा नहीं लिखा। इसके बाद मैंने प्यार किया आई और फिर सब उनके पीछे भागने लगे। ये वही सलमान खान थे। ऐसा नहीं कि उन्होंने कुछ अलग किया था, बस सफलता की बात है और फिर आप उससे ही ग्रो करते हो। मुझे अपने करियर में वैसी हिट मिली नहीं।

जब जावेद से उनकी डेब्यू फिल्म मेरी जंग के बारे में पूछा गया, जो एक बड़ी हिट थी और जिसका गाना बोल बेबी बोल भी काफी हिट हुआ था, तो इस पर अभिनेता ने कहा, मुझे बतौर विलेन लॉन्च किया गया था। सुभाष घई साहब काफी सफल डायरेक्टर थे। एनएन सिप्पी साहब एक प्रोड्यूसर थे। तो लोगों को लगा कि अगर उन्होंने मुझे बतौर विलेन लिया है तो आगे भी मैं ऐसा ही करूंगा। वो जजमेंट पास हो गया था। उससे लड़ने के लिए

किसी को मुझे फन म्यूजिकल फिल्म में लेना था जैसे साउथ में प्रभु देवा के साथ किया, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। मैंने भी वहीं खुद के लिए कभी पिच नहीं किया, लेकिन मैं इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचता हूं। बता दें कि जावेद जाफरी अब धमाल 4 में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 10 जुलाई को रिलीज हो गई है। इंद्र कुमार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख और अरशद वारसी भी हैं।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)